सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 307 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 19 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

जनता को मुफ्त गैस सिलेंडर देगी सरकार, सीधे खाते में जाएंगे 914 रुपये

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार उज्ज्वला योजना के 1.75 करोड़ लाभार्थियों को दो निशुल्क एलपीजी सिलेंडर देने की जगह उनके बैंक खाते में पैसे डालने पर विचार कर रही है। एक सिलेंडर के लिए 914.50 रुपये का भुगतान होगा। पहली किस्त इसी दिवाली खाते में भेजने की योजना है। इसके लिए लाभार्थियों के बैंक एकाउंट को आधार से लिंक कराने की कार्रवाई तेज करने को कहा गया है। सत्ताधारी दल भाजपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव में उज्वला योजना के लाभार्थियों को दो मुफ्त सिलेंडर का वादा किया था। ये होली व दिवाली पर दिए जाने हैं। चुनाव नतीजे आने के बाद दो बार होली व एक बार दिवाली बीत चुकी है। मगर, इस वादे पर अभी अमल का इंतजार है। इधर, तेजी से बढ़ती महंगाई और नजदीक आते लोकसभा चुनाव से पहले सरकार इस वादे पर अमल के फॉर्मूले पर विचार कर रही है। सूत्रों का कहना है कि सिलेंडर के खुदरा औसत मूल्य 1144 रुपये में केंद्र सरकार से मिलने वाली 230 रुपये की सब्सिडी व बैंक विनिमय दर को घटाकर करीब 914.50 रुपये भुगतान पर सहमति बनी है। सरकार ने तय किया है कि योजना में लाभार्थियों के केवल आधार लिंक बैंक खातों में ही भुगतान किया जाएगा।

भाजपा के मुकाबले कांग्रेस में माथापच्ची कम, 80 फीसदी प्रत्याशी पहले से ही तय, तैयारियों में भी कांग्रेस आगे

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा ने विधानसभा चुनाव से 3 महीने पहले 21 प्रत्याशियों की सूची क्या जारी की, छत्तीसगढ़ की राजनीति उफान पर आ गई। इसे भाजपा की कांग्रेस पर लीड के रूप में भी देखा गया, लेकिन क्या वास्तव में भाजपा ने लीड हासिल की है? सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि 2018 के चुनाव में भाजपा को महज 14 सीटें ही मिली थी। जबकि कांग्रेस के पास 69 से ज्यादा सीटें थी। कांग्रेस क्योंकि सत्ता में है, इसलिए पार्टी और उसके विधायक व नेता लम्बे समय से चुनाव तैयारियों में जुटे हुए हैं। वैसे भी उसके ज्यादातर विधायकों को टिकट मिलना लगभग तय है। परिस्थितियों को देखें तो कांग्रेस प्रारम्भ से ही भाजपा से आगे रही है। टिकट वितरण के लिए बहुत ज्यादा माथापच्ची करने की दरकार भी नहीं है। अलबत्ता, यह जरूर कह सकते हैं कि भाजपा ने चुनाव से काफी पहले हारी हुई सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर बड़ा दांव चला है। इससे दोनों पार्टियों के बीच मुकाबला लगभग बराबर होने की उम्मीद की जा सकती है।

इन सीटों की भी होनी थी घोषणा, अब दूसरी सूची का इंतजार

बताते हैं कि भाजपा ने पहले चरण में कुल 27 सीटों के लिए सूची तैयार की थी। लेकिन अंतिम समय में 21 सीटों की घोषणा ही की गई। जिन सीटों पर नाम घोषित करने से रोक दिए गए, उनमें कोंटा, सीतापुर, जैजेपुर, पामगढ़, पाली तानाखार और दुर्ग ग्रामीण की सीटें शामिल है। संभावना है कि अब दूसरी सूची में इन सीटों से प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया जाएगा। पता चला है कि इन सीटों पर नाम तो तय कर लिए गए थे, किन्तु केन्द्रीय चुनाव समिति के सदस्यों में नामों को लेकर अस्पष्टता सामने आई। इसलिए इन सीटों पर फिर से पतासाजी करने और किसी नतीजे पर पहुंचने के बाद नामों का ऐलान करने का निर्णय लिया गया। दुर्ग ग्रामीण सीट पर दो महिला उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा होने की खबर है। इनमें से एक महिला पंचायत प्रतिनिधि रह चुकीं हैं, जबकि दूसरे पूर्व में जनप्रतिनिधि रह चुकीं हैं। इस सीट पर पेंच इसलिए फंस गया है क्योंकि बताते हैं कि पड़ोस की एक अन्य सीट से महिला प्रत्याशी की पुख्ता दावेदारी है।

संभावना है तो जरूर मिलेगी टिकट

इस बार के विधानसभा चुनाव में भाजपा सारे पुराने नेताओं को घर नहीं बैठाने वाली है। यानी जिन नेताओं में जीत की संभावना होगी, उनको टिकट जरूर दिया जाएगा। इनमें वे नेता भी होंगे जो पिछली बार चुनाव जीते हैं या चुनाव हारे हैं। पार्टी ने यह निर्णय तीन से चार दौर के सर्वे के बाद लिया है। पार्टी ने यह भी तय किया है कि पूर्व और वर्तमान सांसदों को 2023 के चुनाव में मौका दिया जाएगा। पिछले कुछ दिनों से पार्टी के साथ ही विरोधी दल के नेताओं के बीच ऐसी चर्चा जोरों पर थी कि भाजपा सारे पुराने नेताओं का टिकट काटकर नए चेहरों को चुनाव मैदान में उतारेगी। लेकिन भाजपा के रणनीतिकारों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार के चुनाव में पुराने नेता भी मैदान में होंगे। भाजपा के पास इस समय 14 सीटें हैं। वैशाली नगर विधानसभा के विधायक विद्यारतन भसीन का हाल में निधन हुआ है इस कारण एक सीट रिक्त है। इस तरह 13 विधायक मौजूदा हैं। इनमें से कितने के टिकट कटेंगे, यह स्पष्ट नहीं है।

गुटीय संतुलन व सिफारिशें दरकिनार

भाजपा ने 21 विधायकों की पहली सूची जारी की जिसमें पूर्व सांसद रामविचार नेताम का भी नाम है। वे रमन सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। बाद में केन्द्र में राज्यमंत्री भी रहे। इसी प्रकार पिछला चुनाव कटघोरा से हारने वाले लखन देवांगन को इस बार कोरबा से टिकट दिया गया है। संजीव शाह भी पूर्व विधायक हैं। इस लिहाज से पहली ही सूची में पुराने हारे नेताओं का नंबर लग गया है। पहली केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया है कि वे पुराने सांसद जिन्हें 2019 में टिकट नहीं दिया गया था, उनको भी चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है। ऐसे नामों पर विचार किया जा रहा है। गुरुवार को जारी सूची में दुर्ग के सांसद विजय बघेल का नाम है। पार्टी इस बार गुटीय संतुलन या अन्य सिफारिशों को दरकिनार कर केवल इस बात पर फोकस कर रही है कि कौन जीत सकता है। इसी को ध्यान में रखकर केंद्रीय चुनाव समिति ने नामों पर मुहर लगाई है।

भाजपा आलाकमान के पास छत्तीसगढ़ की सभी 90 सीटों को लेकर जो रिपोर्ट पहुंची है, उसके आधार पर कहा जा रहा है कि पार्टी ने कुल 30 सीटों को अपने लिए कमजोर माना है। हालांकि पूर्व में इसे 36 सीटें बताया गया था। इन 30 सीटों में से कुल 21 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर दिए गए हैं। बताया जा रहा है कि जल्द ही पार्टी बाकी बची 9 सीटों के लिए भी नामों का ऐलान कर सकती है। इनमें से ज्यादातर सीटें ट्रायबल की होने की खबर है। शहरी परिवेश की सीटों की घोषणा अंत में किए जाने की भी बातें कही जा रही है। दरअसल, भाजपा वर्तमान घोषित 21 सीटों में से करीब 15 सीटों को जीतने की उम्मीद में है। यानी पार्टी की मंशा है कि पिछले चुनाव में उसे जितनी कुल सीटें मिली थी, उससे ज्यादा सीटें इस पहली सूची से निकलकर आ जाए। माना जा रहा था कि 2018 की बुरी पराजय के बाद पार्टी के लिए नए और बेहतर प्रत्याशी तलाशना बड़ी चुनौती होगी। लेकिन जिस तरह से भाजपा ने चुन-चुनकर प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं, उसकी तारीफ विरोधी भी कर रहे हैं। इस पर इन प्रत्याशियों को प्रचार समेत तमाम तरह की गतिविधियों के लिए काफी वक्त भी मिल गया है। इस पहली सूची तो देखें तो पार्टी ने बड़े नामों की बजाए रिजल्ट देने वाले छोटे नामों पर ज्यादा भरोसा जताया है। कद्दावर दावेदारों के मुकाबले पंचायत स्तर के व्यक्ति को तवज्जो दी गई है। इसी से जाहिर होता है कि भाजपा की पहली प्राथमिकता सिर्फ चुनाव जीतना ही है। वरिष्ठता और नेता के कद के कोई मायने नहीं है। कई पुराने और चूके हुए नेताओं को अचानक से सामने लाकर भी पार्टी ने कुछ ऐसा ही संदेश दिया है।

योगी ने रामलला के दरबार में लगाई हाजिरी, देखी प्रगति

अयोध्या (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे जहां वह कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री योगी ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई और फिर राममंदिर निर्माण की प्रगति देखी। इस मौके पर उनके साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय भी मौजूद रहे।

शनिवार को दोपहर करीब 11.00 बजे उनका हेलीकॉप्टर राम कथा पार्क हेलीपैड पर उतरा। इसके बाद उन्होंने राममंदिर आंदोलन के नायक रहे रामचंद्र दास परमहंस की समाधि पर पहुंचकर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। यहां से रामजन्मभूमि के लिए परिसर के लिए उनका काफिला रवाना हो गया। सीएम योगी का दिगंबर अखाड़ा से गहरा जुड़ाव है। गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियों का यहां से जुड़ाव रहा है। सीएम के गुरु अवैद्यनाथ व परमहंस की काफी घनिष्ठता थी। सीएम भी अपनी पीढ़ी की परंपरा का निर्वहन कर रहे हैं। दिगंबर अखाड़ा राममंदिर आंदोलन का प्रधान केंद्र भी रहा है। राममंदिर आंदोलन की पहली बैठक इसी अखाड़े में हुई थी। उसमें राममंदिर निर्माण के लिए एक समिति का भी गठन किया गया, जिसके अध्यक्ष महंत अवैद्यनाथ बनाए गए थे जो सीएम योगी के गुरु रहे। 1989 में महंत रामचंद्र दास परमहंस को रामजन्म भूमि न्यास का पहला अध्यक्ष चुना गया। इसके बाद ही मंदिर आंदोलन को नई दिशा मिली।

हैवी ड्रॉप सिस्टम का किया सफल परीक्षण, ADRDE ने डिजाइन और विकसित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा निर्माण में मेक इन इंडिया के तहत देश ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन) द्वारा विकसित पी-7 हैवी ड्रॉप सिस्टम की मदद से अब युद्ध के मैदान में सात टन तक वजनी साजो सामान को पैराशूट के जरिए आसानी से पहुंचाया जा सकता है। भारतीय वायुसेना ने हाल ही में डीआरडीओ की सहयोगी इकाई एरियल डिलिवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (ADRDE) द्वारा डिजाइन और विकसित हैवी ड्रॉप सिस्टम का सफल परीक्षण किया।

क्या होता है हैवी ड्रॉप सिस्टम?

हैवी ड्रॉप सिस्टम का उपयोग सात टन वजन वर्ग के सैन्य भंडार (वाहन/गोला-बारूद/उपकरण) को पैराशूट से नीचे गिराने के लिए किया जाता है। आईएल-76 विमान के लिए

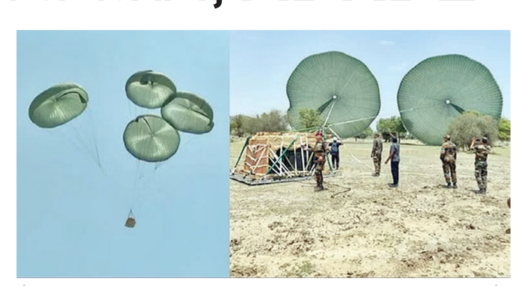

हैवी ड्रॉप सिस्टम (पी-7 एचडीएस) में एक प्लेटफॉर्म और विशेष पैराशूट सिस्टम शामिल होता है। पैराशूट सिस्टम एक मल्टी-स्टेज पैराशूट सिस्टम है, जिसमें पांच मुख्य कैनोपी, पांच ब्रेक शूट, दो सहायक शूट, एक एक्सट्रैक्टर पैराशूट शामिल हैं। इसका प्लेटफॉर्म एल्यूमीनियम और स्टील के मिश्रण से बना एक धातु संरचना है। इस सिस्टम को 100 फीसदी स्वदेशी संसाधनों के साथ सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। पी-7 एचडीएस को सेना में शामिल कर लिया गया है। पी-7 हैवी ड्रॉप सिस्टम का निर्माण एलएंडटी कंपनी कर रहा है जबकि इसके लिए पैराशूट का निर्माण ऑर्डिनेंस फैक्टरी कर रही है।

पैराशूट पर तेल और पानी का असर नहीं होगा

पैराशूट पर तेल व पानी का कोई असर नहीं होता है और इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल भी किया जा सकता है। डीआरडीओ काफी लंबे समय से इस सिस्टम को बनाने की तैयारी कर रहा था। पिछले करीब पांच सालों से हैवी ड्रॉप सिस्टम का परीक्षण जारी है।

बाढ़ का खतरा बताने रेलवे का प्रयोग, छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र के 12 रेलवे ब्रिजों पर लगा वाटर लेवल मॉनिटरिंग सिस्टम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत स्थित महत्वपूर्ण रेलवे पुलों पर नदियों का जलस्तर मापने के लिए मीटर गेज के स्थान पर नई तकनीक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम का इस्तेमाल किया जा रहा है। सेंसर युक्त इस नए उपकरण से जलस्तर की पूरी जानकारी त्वरित मिल रही है। नदी में जल का स्तर अचानक बढ़ाने की स्थिति में इस सिस्टम से जुड़े अधिकारियों के मोबाइल पर तुरंत अलर्ट मैसेज भी आयेगा, जिससे समय रहते संरक्षित रेल परिचालन को भी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र के 12 महत्वपूर्ण रेलवे

पुलों पर यह तकनीक लगाई गई है ।

बता दें इससे पहले पारंपरिक गेज पद्धति से नदियों का जलस्तर पता किया जाता था। इसमें त्वरित सूचनाएं नहीं मिल पाती थीं। वाटर लेवल रीडिंग में भी त्रुटि की संभावना होती थी। रेलवे ट्रैक और पुल पर खतरे का आकलन मुश्किल भरा होता था। कई बार बाढ़ का पानी ट्रैक पर भी आ जाता था। लेकिन, इस आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से नदियो पर जल के स्तर की निगरानी आसान हो रही है।

इस तरह काम करता है यह सिस्टम

नदियों के जलस्तर को मापने की पारंपरिक गेज पद्धति के स्थान पर आधुनिक वाटर लेवल मॉनीटरिंग सिस्टम लगाया गया है। सेंसर युक्त यह सिस्टम ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम से जुड़ा होता है। इसमें एक चिप लगा रहता है। उसमें पुल से संबद्ध सहायक मंडल इंजीनियर, कार्य निरीक्षक और रेल पथ निरीक्षक आदि के मोबाइल नंबर दर्ज रहते हैं। पुल पर जलस्तर बताने वाले स्केल को सेंसर सिस्टम रीड करता रहता है। जब जलस्तर खतरे के निशान से बढ़ता या घटता है तो यह मशीन स्वत: संबंधित इंजीनियरों व अधिकारियों को एसएमएस भेजता है।

इन रेलवे पुलों पर लगाया गया है यह सिस्टम

- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत झारसुगुड़ा एवं ईब स्टेशनों के मध्य ईब नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 184P
- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत ईब एवं ब्रजराजनगर स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 182UP
- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत भूपदेवपुर एवं राबर्ट्सन स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 86UP
- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत कोरबा एवं गेवरारोड स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 63DN
- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत नैला एवं चांपा स्टेशनों के मध्य हसदेव नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 46DN
- बिलासपुर रेल मण्डल के अंतर्गत जयराम नगर एवं अकलतरा स्टेशनों के मध्य रेलवे पूल क्रमांक 12MID
- रायपुर रेल मण्डल के अंतर्गत दगौरी एवं निपनिया स्टेशनों के मध्य शिवनाथ नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 462MID
- नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत रसमड़ा एवं दुर्ग स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 348DN
- नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत मुंडीकोटा एवं तुमसर स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 116UP
- नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत कन्हान एवं कामठी स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 34UP
- नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत वडसा एवं ब्रम्हपुरी स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 159GCF
- नागपुर रेल मण्डल के अंतर्गत बरगी एवं ग्वारीघाट स्टेशनों के मध्य नदी पर रेलवे पूल क्रमांक 348DN

अब युवाओं को साधने की तैयारी

श्रीकंचनपथ

साल के अंत में होने जा रहे विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी युवाओं को साधने की तैयारी कर रही है। इसके लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा को काम पर लगाया गया है। प्रदेश के पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या एक करोड़ 94 लाख 54 हजार से कुछ ज्यादा है। इनमें से 46 लाख वोटर्स ऐसे हैं जिनकी उम्र 18 से 29 साल के बीच है। इनमें से लगभग सवा चार लाख मतदाताओं की उम्र 18-19 साल है। ये पहली बार मतदान करेंगे। विधानसभा और लोकसभा के पिछले चुनाव 2018-19 में हुए थे। अर्थात जिनकी उम्र अभी 22-23 साल है वो भी पहली बार मतदान कर रहे होंगे। इसके अलावा एक बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की भी है जो उच्च शिक्षा के लिए घर से दूर हैं। न तो इनका मतदाता सूची में पंजीयन हुआ है और न ही वो वोट डालने के लिए उपलब्ध रहते हैं। राजनीतिक दलों का फोकस अब इन्हीं युवाओं पर है। पूरी कोशिश है कि इनमें से सभी युवा न केवल मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाएं बल्कि मताधिकार का प्रयोग भी करें। आज और कल अर्थात 19 और 20 अगस्त मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए अंतिम तिथि है। 1 अक्टूबर 2023 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले सभी युवा इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। पार्टियों की पूरी कोशिश है कि बूथ स्तर पर उनके कार्यकर्ता ऐसे सभी विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहें जो हाल ही में कालेज पहुंचे हैं। इनमें से जो भी विद्यार्थी 1 अक्टूबर 2023 से पहले 18 साल का हो जाएगा, उसका नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए ये युद्धस्तर पर प्रयास करेंगे। इसके बाद शुरू होगी इन मतदाताओं को अपने पक्ष में करने की कोशिश। दरअसल, यही वह खतरनाक 'एज-मिक्स' है जिसे समझ पाना किसी भी राजनीतिक दल के लिए कठिन है। 18 से 29 साल के बीच के ये मतदाता सैद्धांतिक तौर पर दो भाग में बंटे हुए हैं। 18 से 25 साल के बीच के युवा अकसर झुण्ड में मतदान करते हैं और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट भी करते हैं। इससे उलट, 25 से 29 के युवाओं की नजर सरकार की योजनाओं पर होती है। ये सभी बेहतर रोजगार की तलाश में होते हैं। यह वह उम्र है जब वो सेटल होने का प्लान बना रहे होते हैं। इनमें जोश कम और होश ज्यादा होता है। भाजयुमो और युवक कांग्रेस जैसे संगठनों से ज्यादा उसे आम आदमी पार्टी की बातें भाती हैं। संख्याबल के हिसाब से देखें तो कुल मतदाताओं में इनकी 25 फीसद की हिस्सेदारी है। पिछले लोकसभा चुनावों तक इस एज ग्रुप के मतदाता साफतौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ थे। पर केन्द्र सरकार की दिल्ली वाली हरकत के बाद स्थिति बदल चुकी है। मणिपुर के हालातों ने ताकतवर केन्द्र और डबल इंजन सरकार की पोल पट्टी खोल दी है। इन्हें रिझाना मुश्किल होगा।

संपादकीय

बैंक शुल्क सुधार

बैंकों द्वारा किसी भी वसूली को न्यायसंगत बनाने की कोई भी कोशिश सराहनीय है। वैसे तो बैंकों को स्वयं ही न्यायपूर्ण ढंग से काम करना चाहिए और जहां भी दंडात्मक शुल्क लगाने की जरूरत है, वहां तार्किकता से काम लेना चाहिए, पर आम तौर पर बैंक ऐसा नहीं करते हैं, इसीलिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को आवश्यक निर्देश जारी करना पड़ा है। ऋण पर दंडात्मक शुल्क और ब्याज दरों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक का यह कदम कारगर सिद्ध होना चाहिए। ऋण खातों में दंड शुल्क के संबंध में ये दिशा-निर्देश 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होंगे। हालांकि, अगर कोई वसूली गलत ढंग से या गलत मानसिकता के साथ की जा रही है, तो उसे जल्द से जल्द रोकने में कोई हर्ज नहीं है। पहली जनवरी 2024 तक न जाने कितने ग्राहकों से करोड़ों रुपये बैंक गलत ढंग से वसूल लेंगे। ऐसे जरूरी आर्थिक सुधारों को जल्द से जल्द लागू करने के प्रति उदासीनता ठीक नहीं है। अपने हित में कोई नया शुल्क वसूलने में बैंक जब देरी नहीं करते हैं, तब ग्राहकों के हित में किसी शुल्क सुधार के लिए उन्हें इतना समय क्यों मिलना चाहिए? भारतीय रिजर्व बैंक ने फेयर लेंडिंग प्रैक्टिस संबंधी अपनी ताजा अधिसूचना में बताया है कि मौजूदा दिशा-निर्देशों के तहत ऋण देने वाले संस्थानों को ब्याज की दंडात्मक दरें लगाने के लिए अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति लागू करने की स्वायत्तता है। मतलब कोई व्यक्ति अगर ऋण न चुका पाए, तो उस पर कितना दंड लगाना है, इसका निर्धारण बैंक अपने स्तर पर ही करते हैं। कोई बैंक ज्यादा दंड लगाता है और कोई कम लगाता है, लेकिन ज्यादातर बैंक ऋण न चुका पाने पर बहुत आक्रामक ढंग से व्यवहार करने के साथ ही भारी दंड वसूली के पक्ष में रहते हैं। अनेक बैंक तो लगाए गए आर्थिक दंड पर भी ब्याज वसूलते हैं। ऋण चुकाने में असमर्थ व्यक्ति दंड पर दंड भुगतता चला जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक दंड वसूली के खिलाफ नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि बैंक जायज रूप से वसूली करें। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि दंडात्मक ब्याज/शुल्क लगाने का इरादा अनिवार्य रूप से ऋण अनुशासन की भावना पैदा करना है और ऐसे शुल्कों का उपयोग ब्याज की अनुबंधित दर से अधिक राजस्व वृद्धि उपकरण के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। दिशा-निर्देश तो यह भी है कि बैंक ब्याज दर में कोई अतिरिक्त घटक शामिल नहीं करेंगे। बैंकों को अपने बोर्ड के स्तर पर नीति बनानी पड़ेगी। दंडात्मक शुल्क की मात्रा न्यायोचित होगी। व्यक्तिगत उधार और गैर-व्यक्तिगत उधार के लिए होने वाली शुल्क या दंड वसूली में समानता होगी। यह आम तौर पर देखा जाता है कि बैंक निजी या व्यक्तिगत या पर्सनल लोन के मामले में बहुत सख्त होते हैं, जबकि ऋण लेने वाले उद्योगपतियों या कंपनियों के प्रति उनका रवैया अपेक्षाकृत बहुत उदार होता है। ऋण न चुका पाने वाली कंपनियों के मामले में तो बैंक दंड, ब्याज और कई बार मूल ऋण राशि में भी भारी कमी कर देते हैं। मतलब, भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा दिशा-निर्देश से आम लोगों या व्यक्तिगत कर्जदारों के साथ न्याय की संभावना बढ़ सकती है। यह बात जाहिर है कि बैंक सामान्य ग्राहकों से नाना प्रकार की वसूली करते हैं और अनेक बैंक तो मूलभूत सेवा में भी कमी बरतते हुए ग्राहकों को नुकसान पहुंचाते हैं। बैंकों को आम ग्राहकों के अनुरूप पूरी तरह ढलने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

> “ व्यक्तिगत उधार और गैर-व्यक्तिगत उधार के लिए होने वाली शुल्क या दंड वसूली में समानता होगी। यह आम तौर पर देखा जाता है कि बैंक निजी या व्यक्तिगत या पर्सनल लोन के मामले में बहुत सख्त होते हैं, जबकि ऋण लेने वाले उद्योगपतियों या कंपनियों के प्रति उनका रवैया अपेक्षाकृत बहुत उदार होता है।

मीडिया अगर साथ हो!

दशक भर पहले नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों को लेकर मीडिया ने भ्रष्टाचार का ऐसा नैरेटिव बनाया था, जिससे तत्कालीन यूपीए सरकार की जमीन खिसक गई थी। उसमें कथित कोयला घोटाले संबंधी एक खबर तो ऐसी रिपोर्ट पर आधारित थी, जिसे सीएजी के अंदरूनी विचार-विमर्श के लिए तैयार दस्तावेज से उठा लिया गया था। उसके आधार पर आज भी संभवतः बहुत से लोग मानते हों कि वह कथित घोटाला दस लाख करोड़ रुपए का था, जबकि अपनी अंतिम रिपोर्ट में सीएजी उस मामले में प्रक्रियागत गड़बड़ियों के कारण सरकारी खजाने को एक लाख 86 हजार करोड़ रुपये का अनुमानित नुकसान होने की बात ही कह पाया। बहरहाल, अब एक के बाद एक कई घोटालों की तरफ सीएजी ने इशारा किया है, तो माहौल बिल्कुल खामोश है। सीएजी ने द्वारका एक्सप्रेस प्रोजेक्ट में लागत में अविश्वसनीय वृद्धि के कारण 6000 करोड़ रुपए अधिक खर्च होने और आयुष्मान योजना में एक ही मोबाइल नंबर पर एक करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान होने का खुलासा किया है।

अयोध्या विकास परियोजना में ठेकेदारों को करोड़ों रुपए का अनुचित भुगतान होने, भारत माता परियोजना में ठेका देने में गड़बड़ी किए जाने, गलत डिजाइन के कारण हिंदुस्तान एरॉनेटिक्स लिमिटेड को 159 करोड़ रुपए का नुकसान होने आदि के विवरण दिए हैं। लेकिन एक साथ इतने सारे मामलों के सामने आने के बावजूद ये गड़बड़ियां मुद्दा नहीं बनी हैं। इसका निहितार्थ साफ है। मुद्दा भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार का नैरेटिव बनता है, जिसे निहित स्वार्थी मीडिया अपने राजनीतिक रुझान और हितों के मुताबिक गढ़ता है। यह बात 1970 के दशक के बिहार आंदोलन और कथित बोफोर्स घोटाले से बने सियासी माहौल के बारे में भी कही जा सकती है। आज हाल यह है कि हालिया खुलासों को अगर छोड़ दें, तब भी सिर्फ हिंडनबर्ग की रिपोर्ट से ऐसा नैरेटिव बन सकता था, जिससे वर्तमान केंद्र सरकार के लिए सफाई दे पाना कठिन होता। मगर आज मेनस्ट्रीम मीडिया की सहानुभूति सरकार के साथ है, तो ऐसे तमाम मामले आम जन के दिमाग में दर्ज होने से रह गए हैं। नतीजतन, मौजूदा सरकार की 'ईमादार' छवि लगभग पहले की तरह कायम है।

भाजपा में चुनावी राज्यों पर चिंता

भारतीय जनता पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक बुधवार की शाम को पार्टी मुख्यालय में हुई। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। इससे इस बैठक की गंभीरता का पता चलता है। हालांकि हैरान करने वाली बात यह है कि केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक आमतौर पर चुनावों की घोषणा के बाद होती है और बैठक के तुरंत बाद उम्मीदवारों की घोषणा होती है। यह कमेटी उम्मीदवारों के नाम तय करने के लिए बैठती है। इस बार ऐसा नहीं हुआ है। इस बार बैठक चुनाव की रणनीति पर विचार के लिए हुई। कायदे से यह विचार विमर्श भाजपा के संसदीय बोर्ड की बैठक में होनी चाहिए थी, लेकिन वह चुनाव समिति की बैठक में हुई।

बताया जा रहा है कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व राज्यों में चुनावी तैयारियों और हालात को लेकर बहुत भरोसे में नहीं है। भाजपा के जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी को कांग्रेस शासित दोनों राज्यों की चिंता है। यानी राजस्थान और छत्तीसगढ़ को लेकर भाजपा ज्यादा चिंता में है। यह हैरान करने वाली बात है क्योंकि अब तक यह माना जा रहा था कि भाजपा राजस्थान में अपनी जीत को लेकर आश्वस्त है और मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ को लेकर चिंता में है। लेकिन पार्टी की बुधवार को हुई बैठक के बाद दूसरी खबर सामने आ रही है। ध्यान रहे बुधवार की बैठक में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल थे। वे चुनावी राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य के तौर पर बैठक में शामिल हुए। उन्होंने अपनी सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में चुनाव समिति को बताया। जानकार सूत्रों का कहना है कि पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को भी इसके बारे में पहले से जानकारी है।

> “ **एक संवेदनशील समाज के निर्माण की शुरुआत कहां-कहां से हो सकती है, यह पहल इसकी एक बानगी है। हमारे देश को ऐसी कवायदों की बहुत जरूरत है, क्योंकि लैंगिक समानता और सहभागिता के मामले में महिलाएं काफी पीछे हैं। शीर्ष न्यायपालिका में ही उनके प्रतिनिधित्व को लें, तो वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय के कुल 32 जजों में सिर्फ तीन महिलाएं हैं।**

लैंगिक समानता की तलाश में निकली एक पुस्तिका

प्रतिमा पांडेय

युवा पीढ़ी के लिए सामाजिक सुधारों की नींव पड़ते देखना सचमुच सुखद है। यह हमारे आत्मगौरव को भी बढ़ाता है। एक ऐसा ही प्रेरक उदाहरण पेश करती है, अदालती फैसलों और अदालती भाषा में लैंगिक रूढ़िवादिता से जुड़े शब्दों का निषेध करती वह पुस्तिका (हैंडबुक), जिसे हाल ही में देश के प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने लॉन्च की। एक मजबूत भारत की दिशा में यह सराहनीय पहल है। इस पुस्तिका में न्यायिक बिरादरी से जिन बदलावों की अपेक्षा की गई है, वे बदलाव हमारी न्याय प्रक्रिया में लैंगिक पहचान से जुड़ी रूढ़ियों को मिटाने में ही नहीं, सामाजिक मानसिकता को भी बदलने में अहम भूमिका निभाएंगे।

हम सब जानते हैं कि भाषा मानसिकता के प्रदर्शन-निर्धारण का एक कारगर माध्यम है। महात्मा गांधी ने जब 'हरिजन' शब्द का विकल्प दिया, तो आलोचकों ने भले इसकी व्याख्या अपने-अपने तरीके से की, पर उनके इस एक कदम ने जनमानस को अस्पृश्यों के प्रति संवेदनशील बनाने में क्रांतिकारी भूमिका निभाई। इसलिए इस पुस्तिका में न्यायिक प्रक्रिया के दौरान महिलाओं को खास 'फ्रेम' में फिट करने वाले शब्दों को बदलकर पूर्वाग्रह-मुक्त करने की कोशिश दिखती है। जैसे अब तक चले आ रहे शब्दों 'ड्यूटीफुल वाइफ, इंडियन वूमन, वेस्टर्न वूमन' और 'करियर वूमन' के लिए सिर्फ 'वूमन' शब्द की तजवीज ज्यादा तटस्थ है। इसी तरह, 'प्रॉस्टीट्यूट' शब्द को बदलकर 'सेक्स वर्कर', 'स्पिन्स्टर' को बदलकर 'अनमैरिड वूमन' किया गया है।

तीस पन्नों की इस पुस्तिका में ऐसे कई शब्द शामिल किए गए हैं और सिर्फ शब्दों व जुमलों पर ही बात नहीं की गई है, इसमें स्त्री संबंधी पूर्वधारणाओं के संदर्भ में उदाहरणों के साथ सही नजरिया भी बताया गया है। जैसे, यह आम धारणा है कि 'महिलाएं बेहद भावुक, अतार्किक होती हैं और वे सटीक निर्णय नहीं कर सकतीं।' पुस्तिका बताती है, एक व्यक्ति की लैंगिक पहचान उसके तर्कपूर्ण विचारों की क्षमता को निर्धारित या प्रभावित नहीं करती।

सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड इस पुस्तिका की शुरुआती पंक्तियां अपना उद्देश्य बताती हैं, 'भाषा किसी भी कानून के जीवन के लिए अहम है और शब्द वे माध्यम हैं, जिनसे किसी कानून के आदर्श अभिव्यक्त किए जाते हैं।

एक संवेदनशील समाज के निर्माण की शुरुआत कहां-कहां से हो सकती है, यह पहल इसकी एक बानगी है। हमारे देश को ऐसी कवायदों की बहुत जरूरत है, क्योंकि लैंगिक समानता और सहभागिता के मामले में महिलाएं काफी पीछे हैं। शीर्ष न्यायपालिका में ही उनके प्रतिनिधित्व को लें, तो वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय के कुल 32 जजों में सिर्फ तीन महिलाएं हैं। न्यायपालिका का लैंगिक मामलों में संवेदनशील होना कितना जरूरी है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमारे यहां स्त्रियों के साथ हुए अधिकतर आपराधिक मामले दर्ज ही नहीं कराए जाते, क्योंकि यह रूढ़ धारणा है कि उनके साथ-साथ पूरे परिवार को मानसिक उत्पीड़न झेलना पड़ेगा। ऐसे में, शीर्ष अदालत की इस ताजा पहल की सार्थकता तभी साबित होगी, जब इस पुस्तिका का असर न्यायिक क्षेत्र के बाहर के प्रशासनिक अमले पर भी पड़े। खासकर पुलिस महकमे में, जहां स्त्रियों के प्रति पूर्वाग्रह किसी से छिपे नहीं हैं।

ऐसे में, लैंगिक रूढ़ियों पर हमले करने वाले फैसले उस आधी आबादी का मनोबल मजबूत करते हैं, जिसका एक बहुत बड़ा हिस्सा आए दिन घरेलू हिंसा, लिव-इन संबंध में धोखाधड़ी, तरह-तरह के उत्पीड़न का मुकाबला करता है, वह भी सिर्फ इसलिए कि स्त्री अपनी सामाजिक छवि से इतर छवि में खुद को अभिव्यक्त कर रही होती है और एक कटु सच यह है कि टूटा हुआ मनोबल उसे सामाजिक वर्जनाओं, बेड़ियों से बाहर नहीं निकलने देता।

इसमें दोराय नहीं कि 21वीं सदी की स्त्रियों की स्थिति वही नहीं है, जो पिछली सदी में थी। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सहभागिता और स्वीकार्यता बढ़ी है, लेकिन लैंगिक बराबरी की दिशा में हो रही कोशिशें अब भी पर्याप्त नहीं हैं। ऐसे में, जब उनके हक में सुधारों की एक ताजा लहर सुप्रीम कोर्ट से उठती हुई दिखी, तो एक आश्वस्तकारी आहट मिली कि समाज तेजी से करवट लेने के लिए खुद को शायद अब तैयार करे। देश की तरक्की के लिए यह बहुत जरूरी है कि आधी आबादी को बतौर नागरिक अपनी भूमिका लायक माहौल मिले। प्रधान न्यायाधीश का यह परिवर्तनकारी फैसला उस कपूर की तरह है, जो धीरे-धीरे जलते हुए पूरे परिवेश को शुद्ध कर देता है।

हमारी स्वतंत्रता पर आए दिन होता है कुठाराघात

फ्रेंक एंथनी, एंग्लो इंडियन सांसद

मैं समझता हूं कि न इस (दंड प्रक्रिया संहिता) संशोधन विधेयक पर पर्याप्त विचार हुआ है और न जनता की सम्मति ली गई है। ...कुछ संशोधन प्रतिक्रियावादी हो गए हैं। इन संशोधनों से पुलिस की शक्ति बढ़ जाएगी और वह किसी को अपराधी ठहराने के लिए अनुचित जल्दबाजी से काम लिया करेगी। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य सस्ता तथा शीघ्र न्याय प्राप्त करना है। ...क्या अभियुक्त के बहुमूल्य अधिकारों को छीनकर ही उसके लिए सस्ते न्याय की व्यवस्था की जा सकती है? ...गृह-कार्य मंत्री का कथन है कि इससे सस्ता न्याय हो सकेगा। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वस्तुतः ऐसी बात नहीं है। ... 99 प्रतिशत अभियोगों में प्रमुख वकील इकट्ठी राशि लेते हैं और केवल इस आधार पर कि अभियुक्त का बहुमूल्य अधिकार ले लिया गया है, क्या कोई भी प्रमुख वकील अपनी फीस घटा देगा? वह तो उल्टे और अधिक फीस मांगेगा, क्योंकि वह कहेगा कि अब अभियोग और भी जटिल हो सकता है, क्योंकि पुलिस की शक्ति बढ़ गई है। ...इसमें सभी की सुविधा पर ध्यान दिया जाना चाहिए, किंतु सबसे पहले पुलिस की सुविधा देखी जाएगी, तत्पश्चात गवाहों की और सबसे अंत में अभियुक्त की। इससे मजिस्ट्रेट तथा पुलिस वालों की बन आएगी, उन्हें अधिक भत्ते मिला करेंगे और उनकी रहने की व्यवस्था भी हो जाएगी, किंतु बेचारे अभियुक्त को तो कहीं पेड़ के नीचे ही शरण मिलेगी।

...मैं सभी मजिस्ट्रेटों के लिए नहीं कहता; किंतु कुछ बड़े आरामतलब हैं और कुछ मेहनती भी। कुछ मजिस्ट्रेट ग्यारह-बारह बजे तक न्यायालय पहुंचते हैं और गपशप में भी काफी समय बिता देते हैं। वे किसी की भी परवाह नहीं करते। कुछ सेशन जज भी बड़े सुस्त हैं, जो साधारण से मामले में कई-कई माह लगा देते हैं। इसमें भी सुधार करने की आवश्यकता है...।

यदि जांच करने वाला अफसर ही

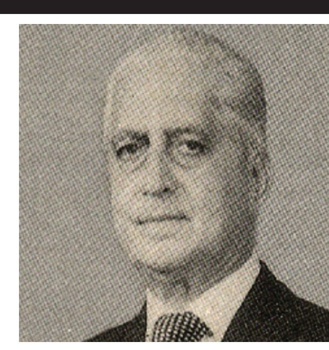

बेईमान हो, तो उसकी बेईमानी को रोकने का कोई उपाय नहीं किया गया है। ...हमारी स्वतंत्रता पर दिन-प्रतिदिन कुठाराघात किया जा रहा है। पहले निवारक निरोध अधिनियम बना, तत्पश्चात समाचारपत्र आपत्तिजनक अधिनियम बना और अब दंड प्रक्रिया आई है।...

उच्चतम न्यायालय के महान्यायाधिपति श्री महाजन का एक प्रमाणपत्र देखिए। उन्होंने एक सत्र न्यायाधीश के विषय में कहा है कि 'उसे भाषा का ज्ञान नहीं है, वह विधि नहीं समझ सकता है, वह उल्टी मति वाला एवं मानसिक रूप से बेईमान है।' इस तरह के लोगों के हाथों में आप अभियुक्त का अंतिम निर्णय सौंपना चाहते हैं? ... मजिस्ट्रेट और सेशन न्यायाधीशों में लोगों को विश्वास नहीं है। केवल उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ही उनके आदर का कारण हैं। ...धारा 417 के विषय में भी मैं कुछ शब्द कह दूं। मेरी राय में यह एक असभ्य और बर्बरतापूर्ण उपबंध है। यह फौजदारी कानून पर कलंक है।...

आप सरकारी कर्मचारियों को एक विशेष दर्जा दे रहे हैं। उनके संबंध में यह हस्तक्षेप्य मामला होगा तथा जन-साधारण के संबंध में यह अहस्तक्षेप्य मामला होगा। जन-साधारण के संबंध में प्रथम श्रेणी का दंडाधिकारी ऐसे मामलों की सुनवाई करेगा, जबकि प्रभावशाली तथा महत्वपूर्ण व्यक्तियों के संबंध में मामला सत्र न्यायालय में जाएगा। इस तरह से यह जनता के आतंक का साधन बन जाएगा, उन्हें मंत्रियों तथा अन्य अधिकारियों की वैध आलोचना भी नहीं करने दी जाएगी। किसी साधारण व्यक्ति को आवाज उठाने की भी हिम्मत नहीं पड़ेगी, उसे पुलिस तथा उनकी करतूतों का मुकाबला करना होगा तथा फिर सत्र न्यायालय में भी जाना होगा, जहां उसे न केवल जुर्माने की सजा, अपितु कैद की सजा भी मिल सकती है। यह अभियुक्त के गले में एक फंदा डाला जा रहा है। अभियुक्त से सभी आवश्यक अधिकार छीने जा रहे हैं।

...माननीय मंत्री कोई सुधार करना चाहते हैं, तो उन्हें न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग करना चाहिए, जनता को आज मजिस्ट्रेटों में बहुत कम विश्वास रह गया है, कारण यह है कि वह मजिस्ट्रेट को पुलिस संगठन का एक अंग समझती है। ...जब तक वर्तमान न्याय व्यवस्था विद्यमान है, तब तक जनता की उनके प्रति कोई श्रद्धा नहीं रह सकती है। आप उच्च न्यायालयों को ज्यादा से ज्यादा अधिकार दीजिए, तभी देश में अधिकतम न्याय प्राप्त होगा।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

दंड संहिता न हो तो क्या देश स्वर्ग बन जाएगा

कैलाश नाथ काटजू, तत्कालीन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

दंड प्रक्रिया संहिता (संशोधन) विधेयक के बारे में एक बहुत लंबी चर्चा हो चुकी है। बहुत सी कठोर बातें कही गई हैं। जहां तक मेरा संबंध है, मुझे कोई चिंता नहीं, पर यहां अपनी रक्षा के लिए उपस्थित न रहने वाले कुछ वर्गों की निंदा करते समय जिस अतिरंजित और एकपक्षीय भाषा का प्रयोग किया गया है, उससे मुझे बहुत दुख पहुंचा है। यह विधेयक परिपूर्ण नहीं भी हो सकता है। मैं शुरू से माननीय सदस्यों से कहता रहा हूं कि वे जैसे चाहें, इसमें सुधार कर सकते हैं, परंतु मुझे एक प्रकार का जल्लाद कहकर पुकारा गया है, मानो कोई न्याय नहीं होता और जिसे भी न्यायालय के सामने ले जाया जाता है, उसे बिना जांच किए सजा दे दी जाती है और इस सबके लिए मैं जिम्मेदार हूं। ...

प्रायः सभी माननीय सदस्यों ने माना है कि भारतीय जनता ने दंड न्यायालयों में अपना विश्वास लगभग खो दिया है। उनका विचार है कि वहां न्याय नहीं हो रहा है और मुझे तत्काल इस भावना पर ध्यान देना चाहिए था। ... मेरे अत्यंत आदरणीय मित्र कहते हैं कि देश में 36 करोड़ व्यक्ति हैं और उत्तर में कुल 207 विचार मिले। शायद उन्हें आशा थी कि 36 करोड़ व्यक्ति कम से कम 36 लाख विचार तो भेजेंगे ही।...

मेरे माननीय मित्र फ्रेंक एंथनी ने बताया कि न्यायिक पदाधिकारी कार्यपालिका के दास हैं। ...ऐसा कोई मुहावरा नहीं रहा, जिसका उन्होंने प्रयोग न किया हो। उन्होंने कहा कि वे उनकी अंगुलियों पर नाचते हैं, उनकी मुट्ठी में रहते हैं। वे पुलिस की एड़ी के नीचे रहते हैं। हम विधिजीवियों, दंड प्रक्रिया संहिता और न्यायपालिका से मुक्ति प्राप्त कर लें, तो यह देश स्वर्ग बन जाएगा! ... इससे मुझे गुस्सा आता है। मैं पूर्ण संहिता पर विचार करने को तैयार हूं। मेरे माननीय मित्र ने कहा कि वह दंड प्रक्रिया संहिता को दासता के दिनों का एक स्मारक मानते हैं। ...मेरे माननीय मित्र ने कहा था कि यह काम करने का यह उचित ढंग नहीं है।

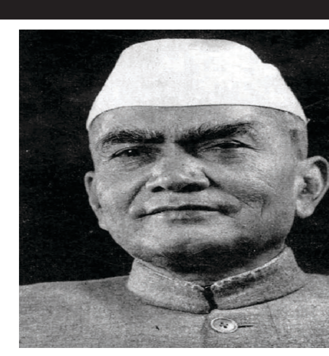

उन्होंने कहा था : 'आप अधिक दूर नहीं जा रहे हैं। सुधार करने का उचित ढंग है : (एक) पुलिस में कठोर सुधार; (दो) न्यायाधिकारी वर्ग में सुधार; (तीन) वकील समाज के सदस्यों में सुधार। जब तक आप को इसकी प्राप्ति नहीं होती, तब तक आप कोई प्रगति नहीं कर सकते हैं। मैं नहीं जानता कि इसका ठीक अर्थ क्या है? क्या इसका अर्थ यह है कि आप चाहें, तो कोई भी प्रक्रिया न रखें, या यह कि आप चाहें, तो कोई प्रक्रिया रख सकते हैं?...

मेरे एक मित्र ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता के टुकड़े-टुकड़े कर दो, किंतु इसके स्थान पर क्या रखें? उन्होंने इसका उत्तर नहीं दिया। ...मेरे एक वकील मित्र ने वकील संस्थाओं को 'मिथ्या साक्ष्य के अड्डे' बताया। ये उन्हीं के शब्द हैं और शायद वह स्वयं अपने जिले की वकील संस्था के अध्यक्ष भी हैं। इन सारी बातों से दंड प्रक्रिया संहिता का क्या संबंध है? ...यदि भारत का सारा वकील वर्ग इतना भ्रष्ट हो, जितना कि मेरे माननीय मित्र ने बताया है, तो फिर इसे समाप्त ही कर देना उचित होगा। अविश्वसनीय व्यक्तियों को हटा देना ही उचित है? किंतु हमारा वकील वर्ग इस देशरूपी उद्यान का फूल है। वकील न्याय का निरूपण करते हैं। क्या मैं उन्हें नीति के पाठ सिखलाऊं ? नीति तो सम्माननीय विधि व्यवसाय की नींव है। यदि किसी वकील की बेईमानी साबित हो जाती है, तो वकील संस्था को कार्रवाई करनी चाहिए और उसे बहिष्कृत कर देना चाहिए। यदि कोई वकील पंचों को या पुलिस अधिकारियों को रिश्वत देने में शामिल होता हो, तो उस पर रोक लगा दी जानी चाहिए, किंतु इन बातों का दंड प्रक्रिया संहिता से क्या संबंध है?

न्यायपालिका के बारे में यह आरोप लगाया गया कि वह पुलिस के हाथ की कठपुतली है और उसे कार्यपालिका से पृथक रखना चाहिए। ...एंथनी ने कहा कि मजिस्ट्रेट पुलिस की मुट्ठी में होते हैं, वे जंगली लोग होते हैं और उनका भरोसा नहीं करना चाहिए। अतः वे सदा दंड देते हैं। ...मैं माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूं कि वे इस विधेयक को इस सरकार की ओर से, सारी भारत सरकार की ओर से, हम सबकी ओर से फाइलों पर इकट्ठी की हुई सामग्री से लाभ उठाने का और इस बात का ध्यान रखने का कि अधिक से अधिक सुधार किया जाए और न्याय अधिक शीघ्रता से, कुशलता से और कम खर्च में किया जाए, एक सच्चा प्रयत्न मात्र समझें। ...इसमें अभियुक्त को तंग करने या न्याय के प्रशासन में हस्तक्षेप करने की जरा भी इच्छा नहीं है।

(लोकसभा में दिए गए भाषण का अंश)

चुनाव आयोग का निष्पक्ष दिखना भी जरूरी

अजीत द्विवेदी

एक जीवंत लोकतंत्र की पहली जरूरत यह होती है कि वहां चुनाव कराने वाली संस्था निष्पक्ष रहे और निष्पक्ष दिखे भी। इसी से चुनावों की शुचिता बनी रहती है और आम लोगों का चुनाव प्रक्रिया में भरोसा बना रहता है। लोकतंत्र की सफलता इस बात में निहित है कि आम नागरिक यह यकीन करे कि सरकार उसने चुनी है। जिस दिन यह विश्वास टूटेगा उस दिन चाहे कितना भी बड़ा लोकतंत्र क्यों न हो उसकी बुनियादी हिल जाएगी। पिछले कुछ समय से भारत में चुनाव आयोग की निष्पक्षता और उसकी स्वतंत्रता को लेकर कई तरह के सवाल उठे हैं। अपने ढंग से चुनाव आयोग ने उनका जवाब दिया है और लोगों के मन में मोटे तौर पर भरोसा बनाए रखा है। परंतु मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का जो नया बिल केंद्र सरकार लेकर आई है उससे सरकार की मंशा पर संदेह पैदा होता है।

हालांकि यह सही है कि पहले भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति केंद्र सरकार करती थी और नए बिल के कानून बन जाने के बाद भी नियुक्ति का अधिकार सरकार के हाथ में ही रहेगी। यानी वास्तविक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आने वाला है। फिर भी चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने एक अस्थायी व्यवस्था बना कर नया रास्ता दिखाया था तो सरकार का उस रास्ते से हटना संदेह को जन्म देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल दो मार्च को एक अहम फैसला सुनाया था और कहा था कि जब तक केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का कानून नहीं बनाती है तब तक एक पैनल उनकी नियुक्ति करेगा, जिसमें प्रधानमंत्री, देश के चीफ जस्टिस और लोकसभा में नेता विपक्ष सदस्य होंगे। यह बिल्कुल उसी तरह की पैनल है, जो सीबीआई के निदेशक की नियुक्ति करती है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग में नियुक्ति का यह सिस्टम इसलिए बनाया क्योंकि पिछले साल नवंबर में अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त करने के मामले में अच्छा खासा विवाद हो गया था।

आईएएस अधिकारी अरुण गोयल 30 नवंबर को रिटायर होने वाले थे। लेकिन उन्होंने 18 नवंबर को स्वैच्छिक रूप से रिटायर होने का ऐलान किया और अगले ही दिन यानी 19 नवंबर को केंद्र सरकार ने उनको चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया था। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर 2015 में दायर एक याचिका पर सुनवाई के क्रम में अदालत के सामने यह मुद्दा भी आया और तब सर्वोच्च अदालत ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाए थे। अदालत ने टिप्पणी की थी कि 'बिजली की रफ्तार' से चुनाव आयुक्त नियुक्त कर दिया गया। सर्वोच्च अदालत ने यह भी पूछा था कि सर्च कमेटी, कैबिनेट की सिफारिश आदि जिन औपचारिकताओं का हवाला केंद्र सरकार नियुक्तियों में देती है उनका पालन एक दिन के भीतर कैसे हो गया और वह सही तरीके से हुआ भी या नहीं? इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च में फैसला सुनाते हुए अरुण गोयल की नियुक्ति तो रद्द नहीं की लेकिन नियुक्ति की एक अस्थायी व्यवस्था कर दी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW
www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

दिव्यांगजनों को लाईवलीहुड कॉलेज के माध्यम से मिलेंगे नि:शुल्क आवासीय कौशल प्रशिक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को उनके क्षमता अनुरूप रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से लाईवलीहुड कॉलेज, गरियाबंद में नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा। जिसके लिये लगातार कौशल विकास विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की काउंसलिंग किया जा रहा है। इसी तारतम्य में 21 अगस्त को प्रात: 10 बजे से शाम 05 बजे तक कार्यालय जिला कौशल विकास प्राधिकरण, संयुक्त जिला कार्यालय, जिला गरियाबंद के कक्ष क्रमांक 40 में दिव्यांगजनों की काउंसलिंग का आयोजन रखा गया है। कौशल प्रशिक्षण हेतु डोमेस्टिक डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, सेविंग मशीन ऑपरेटर, जनरल ड्युटी अस्सिटेंट एवं ऑफिस असिसटेंट कोर्स में काउंसलिंग किया जायेगा। सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण ने जिले के समस्त दिव्यांगजन जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष की है, उनकों अधिक से अधिक संख्या में कौशल प्रशिक्षण हेतु आवश्यक दस्तावेज (आधार कार्ड, एक फोटो, शैक्षणिक योग्यता, रोजगार पंजीयन, निवास, जाति, दिव्यांग प्रमाण पत्र की छायांप्रति) के साथ काउंसलिंग में भाग लेने की अपील की है।

पाटन विधानसभा क्षेत्र में 20 कार्यों के लिए 92 लाख 44 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के तहत पाटन विधानसभा क्षेत्र में विधायक भूपेश बघेल की अनुशंसा पर कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने 20 निर्माण कार्यो के लिए 92 लाख 44 हजार रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार पाटन विकासखण्ड के ग्राम पंचायत फेकारी में सामुदायिक भवन निर्माण महिला आदिवासी पारा के लिए 6 लाख 50 हजार रूपए, ग्राम पंचायत बटंग में सी.सी.रोड निर्माण वार्ड क्र. 16 के लिए 5 लाख 20 हजार रूपए, ग्राम पंचायत बटरेल में सी.सी. रोड निर्माण नरोत्तम साहू के घर से बैसाखिन साहू के घर तक 5 लाख 20 हजार रूपए, ग्राम पंचायत बेलौदी में सी.सी. रोड निर्माण मेन रोड से पंचु ठाकुर घर तक 5 लाख 20 हजार रूपए, ग्राम पंचायत भनसुली आर में आश्रित ग्राम मोहभट्ठा में मुक्तिधाम निर्माण के लिए 4 लाख 79 हजार रूपए, ग्राम पंचायत रवेली में गौठान के पास कलामंच सह कक्ष निर्माण हेतु 5 लाख 80 हजार रूपए, ग्राम पंचायत सांकरा में लोधी पारा रावधभांठा के पास सामुदायिक निर्माण के लिए 6 लाख 50 हजार रूपए, ग्राम पंचायत सिकोला आश्रित ग्राम ठकुराईनटोला सी.सी. रोड निर्माण वार्ड-16 के लिए 5 लाख 20 हजार रूपए, सी.सी. रोड निर्माण 5 लाख 20 हजार रूपए, ग्राम पंचायत अरमरीखुर्द शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में कलामंच निर्माण हेतु 3 लाख रूपए की स्वीकृति दी गई है।

मोर मकान मोर आस योजना : 41 हितग्राहियों को मिला खुद का आवास

03 वरिष्ठ एवं 01 दिव्यांग भी हुए शामिल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम क्षेत्र के 41 हितग्राही अब अपने स्वंय के आवास में निवास करेंगे लॉटरी के माध्यम से अपना मकान पाकर खुशी से झूम उठे और उन्होंने शासन प्रशासन की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद भी ज्ञापित किया। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत किराएदारी में निवास करने वाले लोगों को आज आवास आबंटन के लिए लॉटरी निकाली गई।

इसमें 41 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया, जिससे उनका खुद के आवास का सपना पूरा हुआ। मोर मकान मोर आस के अंतर्गत सूर्या विहार में 14, माइल स्टोन में 02, एनआर स्टेट में 01 दिव्यांग, अविनाश में 01 वरिष्ठ नागरिक एवं सूर्या विहार में 02 वरिष्ठ नागरिक इसी प्रकार मोर आस मोर चिन्हारी के अंतर्गत सूर्या विहार में 09 तथा माइल स्टोन में 12 हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से आबंटन किया गया। आवंटन प्रक्रिया में तीन वरिष्ठ नागरिक एवं 01 दिव्यांग को प्राथमिकता के आधार पर भूतल में आवास आवंटित हुआ है।

खुद का आवास मिलने पर महापौर नीरज पाल ने सभी हितग्राहियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। लॉटरी में शामिल होने के लिए सुबह 10 बजे से ही हितग्राही आवास पाने के इंतजार में निगम में उपस्थित हो गए थे। जिन्होंने अंशदान की राशि जमा की थी उन्हें ही लॉटरी में शामिल किया गया था। प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत मोर मकान मोर आस के 29 तथा मोर मकान मोर चिन्हारी के 21 हितग्राहियों को आवास का आबंटन किया गया।

उल्लेखनीय है कि महापौर नीरज पाल व निगम आयुक्त रोहित व्यास ने आवास आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए थे प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भूतल में आवास पाने के लिए दिव्यांग आवेदक एवं वरिष्ठजन को प्रमाण पत्र लॉटरी में शामिल होने के लिए अनिवार्य दस्तावेज के रूप में चिन्हित था। आवास आबंटन के दौरान आज प्रमुख रूप से सभापति गिरवर बंटी साहू, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी, अधीक्षण अभियंता डीके वर्मा, आवास योजना के प्रभारी अधिकारी विद्याधर देवांगन, पीएम आवास से सामाजिक विशेषज्ञ जीवन ताम्रकार, आदित्य ठाकुर, उत्पल शर्मा, प्रिया खैरवार आदि मौजूद रहे।

कला मंदिर के मंच पर समूह नृत्य में कल जीवंत होगा 'कलाकार का स्वप्न'

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रंगों के माध्यम से जीवन दर्शन का बोध कराने अंचल के शास्त्रीय नृत्य में पारंगत कलाकार इन दिनों दिन-रात अभ्यास में जुटे हैं। कृष्ण प्रिया कथक केंद्र की छह से लेकर 25 साल की उम्र तक की यह छात्राएं 20 अगस्त रविवार की शाम महात्मा गांधी कला मंदिर में एक नृत्य नाटिका 'कलाकार का स्वप्न' प्रस्तुत करने जा रही हैं।

केंद्र की संचालक उपासना तिवारी ने बताया कि एक कलाकार इस दुनिया को कैसे देखता है, उसकी परिकल्पनाओं पर यह नृत्य नाटिका आधारित है। जिसमें कथक जैसी शास्त्रीय शैली के अलावा सुगम शैली के नृत्य के कई रूप देखने को मिलेंगे।

उन्होंने बताया कि केंद्र की ओर से 28 वर्ष से कथक के क्षेत्र में प्रतिभाओं को तराशने का काम जारी है। इसी दिशा में केंद्र की ओर से विगत 7 वर्षों से बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के सहयोग से कृष्ण प्रिया महोत्सव का आयोजन बनारस करते आ रहा है।

जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों के साथ भिलाई की प्रतिभाओं को भी मंच दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कथक नृत्य गुरु पं. बिरजू महाराज के भाई पं. कृष्ण मोहन महाराज का सान्निध्य लगातार उनके केंद्र को मिल रहा है, जिससे यहां की प्रतिभाएं निखर रही हैं। उन्होंने बताया कि इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से केंद्र की संबद्धता है और इसके माध्यम से केंद्र में प्रथम वर्ष से एमए तक की परीक्षाएं ली जा रही हैं।

18 विकास कार्यों के लिए 98 लाख 49 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा द्वारा विधानसभा क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण), दुर्ग नगर एवं पाटन क्षेत्र में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर की अनुशंसा पर 18 निर्माण कार्यो के लिए 98 लाख 49 हजार 332 रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। जिसमें वि.स. क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण) हेतु 1 लाख 19 हजार 776 रुपए, वि.स. क्षेत्र दुर्ग नगर हेतु 30 लाख 63 हजार 556 रुपए वि.स. क्षेत्र पाटन हेतु 66 लाख 66 हजार रुपए के विकास कार्य शामिल है।

जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा क्षेत्र दुर्ग (ग्रामीण) के अंतर्गत ग्राम पुरैना में उत्कल चौक वार्ड क्रमांक 40 के पास सार्वजनिक सामुदायिक भवन में स्टोर रूम निर्माण हेतु 1 लाख 19 हजार 776 रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र दुर्ग नगर अंतर्गत वार्ड क्र. 52 बोरसी शीतला मंदिर के पास अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु 5 लाख, वार्ड क्र. 53 मिनाक्षी नगर केडी पब्लिक स्कूल पोटिया मुख्य मार्ग में सी.सी. रोड निर्माण हेतु 4 लाख 99 हजार 230 रूपए, वार्ड क्र. 53 मरारपारा पोटियाकला दुर्ग में सार्वजनिक भवन में बाउण्ड्रीवाल कार्य हेतु 5 लाख 66 हजार रूपए एवं वार्ड क्र. 16 सिकोलाबस्ती कर्मचारी नगर दुर्ग मे सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 4 लाख 99 हजार 865 रुपए की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्र पाटन अंतर्गतग ग्राम बठेना के सतनामी पारा वार्ड क्र. 12 में लक्ष्मी मंच से शीतला पारा तक सी.सी. रोड निर्माण हेतु 5 लाख 20 हजार रूपए, रेंगाकठेरा व झाडमोखली के आदिवासी पारा में सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 6 लाख 50 हजार रूपए है।

चेम्बर आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत होलसेल कॉरिडोर को लेकर युवा चेंबर टीम व्यापारिक संघों से कर रही है मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान एवं मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि युवा चेंबर पदाधिकारी ''चेंबर आपके द्वार'' कार्यक्रम के अंतर्गत शहर के व्यापारिक संघों से होलसेल कॉरिडोर के विषय को लेकर मुलाकात कर रही है।

युवा चेंबर कार्यकारी अध्यक्ष शंकर बजाज एवं महामंत्री कांति पटेल ने बताया कि युवा चेंबर पदाधिकारी चेंबर आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत लगातार व्यापारिक संगठनों से मिल रहे हैं और इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ टी ट्रेड एसोसिएशन अध्यक्ष ऋषि अग्रवाल, महामंत्री यशवंत जैन, रायपुर बारदाना व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश अमरानी, सचिव मनीष भानुशाली, छत्तीसगढ़ मार्बल एवं टाइल्स व्यवसायिक संघ अध्यक्ष राजेश मूंधड़ा, सचिव मुकेश डेंगवानी, छत्तीसगढ़ कंप्यूटर एंड मीडिया डीलर एसोसिएशन अध्यक्ष अविनाश मखीजा, सचिव संतोष घिंदवानी, कंफेडरेशन ऑफ फार्मा डीलर एसोसिएशन अध्यक्ष नरेंद्र हरचंदानी, सचिव राजेश गुरनानी, रायपुर थोक स्टेशनरी विक्रेता संघ अध्यक्ष गोविंद राम चिमनानी, सचिव पवन कुमार जीवन एवं फर्नीचर मेनुफेक्करिंग एवं ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज कोठारी, सचिव सर्वजीतसिंह निरंकारी एवं एसोसिएशन के सदस्यों से मुलाकात कर उनके ट्रेड से संबंधित आवश्यकताएं जानी तथा विस्तृत चर्चा की।

चेंबर उपाध्यक्ष जय नानवानी ने आगे बताया कि बैठक में होलसेल कॉरिडोर के संबंध में व्यापारी संगठनों से महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हो रहे हैं जिसमे फ्लोर, ऊंचाई, दुकान की साइज, रोड की चैड़ाई इत्यादि शामिल हैं। इस अवसर पर चेंबर उपाध्यक्ष मनोज जैन, जय नानवानी, मंत्री शंकर बजाज, राजेंद्र खटवानी, दिलीप इसरानी, विक्रांत राठौर, युवा चेंबर महामंत्री कांति पटेल,गोल्डी लूनिया, विपुल पटेल, जयेश पटेल, हिमांशु वर्मा, समीर वंश्यानी, योगेश भानुशाली, मनीष पटेल एवं जयराज गुरनानी सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण भी उपस्थित रहे।

दुर्ग में राष्ट्रीय कवि संगम की भव्य काव्य गोष्ठी का सफल आयोजन

वैदिक साहित्य के बिना भारत की कल्पना भी असंभव - डॉ. महेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राष्ट्रीय कवि संगम की दुर्ग जिला इकाई की ओर से काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। मीनाक्षी नगर दुर्ग के श्री केसरी नंदन हनुमान मंदिर में उक्त गोष्ठी में साहित्य-संस्कृति मर्मज्ञ और शिक्षाविद आचार्य डॉ महेश चन्द्र शर्मा मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चना एवं समिति की सदस्य डॉ. श्रीमती बीना सिंह रागी द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुई।

इस दौरान देश के स्वर्णिम इतिहास और स्वर्णिम भविष्य, अखण्ड भारत में सिखों के योगदान, जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता पर पैंतीस से अधिक कवियों ने श्रेष्ठतम कविताएं प्रस्तुत कीं। इस दौरान आचार्य डॉ.महेश चन्द्र शर्मा ने कहा कि ज्ञान-विज्ञान के हर क्षेत्र में भारतवर्ष जगद्गुरु रहा है। वैदिक साहित्य के बिना हिन्दुस्तान की कल्पना असंभव है।

आचार्य डॉ. शर्मा ने समिति के अध्यक्ष एवं कवि नरेन्द्र देवांगन देव को अपनी दसवीं पुस्तक गागर में सागर भी भेंट की। गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार प्रदीप वर्मा ने समान नागरिक संहिता पर अपनी बात कहते हुए कहा कि संविधान अनुच्छेदों से भरा पड़ा है जिसमें पुनर्विचार की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि किशोर तिवारी प्रांतीय सलाहकार राष्ट्रीय कवि संगम छ.ग. ने कहा कि राष्ट्रीय कवि संगम, राष्ट्रीय भाव बोध की कविता का मंच है,जो कि लक्ष्य प्रेरित है। संचालन करते हुए समिति अध्यक्ष नरेन्द्र देवाँगन देव ने बताया कि 28,29 अक्टूबर 2023 को अयोध्या में राष्ट्रीय स्तर का महाकवि सम्मेलन होना है जिसमें प्रत्येक जिले से चयनित होकर एक कवि प्रांत में जायेंगे और प्रांत से चयनित होकर राष्ट्रीय स्तर पर काव्य पाठ करने का अवसर प्राप्त होगा।यह काव्य गोष्ठी इसी कड़ी का प्रारंभिक चरण है। गोष्ठी में लगभग 35 कवियों ने काव्य पाठ किया। जिसमें किशोर तिवारी, नरेन्द्र देवांगन, अनूप दुबे, दिनेश गुप्ता, श्रीमती नीलम जायसवाल,रामदेव शर्मा, गिरीश द्विवेदी, ओमवीर करण, माला सिंह,शारदा प्रसाद पांडेय, घनश्याम सोनी,नौशाद सिद्दीकी, आशा झा,अशोक ठाकुर, डॉ. बीनासिंह रागी, मंजूलता शुक्ला, टी.आर.कोसरिया अलकरहा, शत्रुंजय तिवारी, संध्या जैन, डॉ. गुंजलता साहा,गोपाल शर्मा, वैकुण्ठ महानंद, रामबरन कोरी,शिवमंगल सिंह,हाजी गौहर, नावेद रजा,बलदाऊ राम साहू और भगवती चरण यदु आदि शामिल थे। कार्यक्रम की सफलता में मंदिर संरक्षक बी.के.वर्मा, गजानंद वर्मा, मेघनाद वर्मा, संदीप चौरसिया, मंदिर संचालन समिति, समर्पण महिला मानस मंडली तथा मीनाक्षी नगर निवासियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन समिति अध्यक्ष नरेन्द्र देवांगन देव तथा आभार प्रदर्शन समिति महासचिव अनूप दुबे ने किया ।

रोजगार संगी एप्प के माध्यम से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मंशा अनुरूप कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रोजगार संगी एप्प का संचालन किया जा रहा है। यह एक नियोजक एवं कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं के मध्य मांग एवं पूर्ति के आधार पर समन्वय स्थापित कर नियोजकों को कुशल कामगार व युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है। रोजगार संगी एप्प को किसी भी एन्ड्राय मोबाईल के माध्यम से इंस्टाल किया जा सकता है। इंस्टॉल करने के बाद कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवा अपना रोल नंबर एवं मोबाईल नंबर डालकर अपनी जानकारी भर सकते है।

वहीं नियोजक भी इस एप्प को इंस्टाल करने के बाद अपनी पूर्ण जानकारी एवं जॉब रोल के अनुसार आवश्यकताओं का विवरण सहित जानकारी अपलोड कर सकते हैं। इस एप्प के माध्यम से नियोजक कुशल कामगार खोज कर सकते हैं। वर्तमान में लाईवलीहुड कॉलेज के माध्यम से डोमेस्टिक डाटा एन्ट्री ऑपरेटर, सेविंग मशीन ऑपरेटर, जनरल ड्युटी असिस्टेंट, ऑफिस असिस्टेंट एवं सुरक्षा गार्ड में युवाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। कौशल प्रशिक्षण प्राप्त युवा रोजगार की तलाश इस एप्प के माध्यम से करते हुये एक बेहतर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर करना सुनिश्चित करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी: मंत्री डहरिया

नगरीय प्रशासन मंत्री ने ली अधिकारियों की बैठक

निर्माण कार्यों की प्रगति से असंतुष्ट आरईएस और डीईओ को नोटिस जारी करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं श्रम तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष कोरबा में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्माण से संबंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ डहरिया ने निर्माण कार्यों में लापरवाही पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी। उन्होंने जिले में स्कूलों से सम्बंधित कार्यों में प्रगति नहीं दिखने पर ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के कार्यपालन अभियंता एंटोनी तिर्की और जिला शिक्षा अधिकारी जीपी भारद्वाज को शो-काज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा की।

समीक्षा बैठक में मंत्री डॉ डहरिया ने नगरीय प्रशासन अंतर्गत अधोसंरचना, प्रधानमंत्री आवास, मोबाइल मेडिकल यूनिट, राजीव आश्रय आवास की जानकारी ली। उन्होंने नगर निगम आयुक्त को निर्देशित किया कि अधोसंरचना अंतर्गत कार्यों को शीघ्र पूरा करें। उन्होंने निगम अंतर्गत खम्बे और लाइट, सामुदायिक भवन, दुकान निर्माण तथा जमीन आबंटन और आधिपत्य, डोर टू डोर कचरा कलेक्शन, सफाई व्यवस्था, पेयजल, ओडीएफ की समीक्षा की। मंत्री डॉ. डहरिया ने 15वें वित्त अंतर्गत उपलब्ध राशि और प्रस्तुत प्रस्ताव को स्वीकृति के निर्देश दिए। उन्होंने श्रम विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं, संगठित और असंगठित कर्मकारों के संचालित योजनाओं की समीक्षा की और सहायक श्रमायुक्त को निर्देशित किया कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंद हितग्राहियों तक पहुंचा कर उन्हें लाभान्वित करें। उन्होंने पंजीयन की स्थिति और मोबाइल नम्बर दर्ज करने में आ रही समस्याओं को भी निराकरण के निर्देश दिए।

बैठक में राजस्व, आपदा प्रबंधन, पंजीयन,पुनर्वास एवं स्टाम्प(वाणिज्यिक कर) मंत्री जयसिंह अग्रवाल, लोकसभा सांसद ज्योत्सना महंत, विधायक पाली तानाखार मोहित राम, रामपुर विधायक ननकीराम कंवर, महापौर राजकिशोर प्रसाद, कलेक्टर सौरभ कुमार, पुलिस अधीक्षक उदय किरण, डीएफओ अरविंद पीएम, निशांत कुमार, निगम आयुक्त प्रतिष्ठा ममगाई, सहित सभी विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

निर्माण कार्यों का सतत निरीक्षण करें अधिकारी

मंत्री डॉ. डहरिया ने जिले में शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों में शिक्षकों की जानकारी ली और निर्देशित किया कि विद्यार्थियों के दर्ज संख्या के आधार पर पर्याप्त शिक्षक हो, यह सुनिश्चित किया जाए। आदिवासी क्षेत्र में शिक्षक की कमी को पूरा करने के साथ अध्यापन व्यवस्था भी सुचारू रूप से संचालित हो। उन्होंने स्कूल सहित अन्य संस्थाओं के छोटे-छोटे निर्माण कार्यों की प्रगति के लिए निरंतर निरीक्षण के निर्देश देते हुए समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री ने लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी अंतर्गत जल जीवन मिशन के कार्यों की भी समीक्षा की और घरों तक पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्य पूर्ण होने के पश्चात भी पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाने वाले स्थानों पर जांच के निर्देश दिए। मंत्री ने जिले में खाद्य विभाग अंतर्गत राशनकार्ड, उपलब्ध खाद्यान्न, राजस्व विभाग अंतर्गत लंबित प्रकरणों, वन अधिकार पट्टे के वितरण की समीक्षा की और समय पर पूर्ण करने के साथ आवश्यक निर्देश दिए।

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 654.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 654.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से 18 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1107.0 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 310.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 599.3 मिमी, बलरामपुर में 614.7 मिमी, जशपुर में 521.5 मिमी, कोरिया में 631.6 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 644.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 775.3 मिमी, बलौदाबाजार में 661.6 मिमी, गरियाबंद में 623.0 मिमी, महासमुंद में 724.6 मिमी, धमतरी में 652.9 मिमी, बिलासपुर में 645.7 मिमी, मुंगेली में 835.4 मिमी, रायगढ़ में 715.8 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 559.3 मिमी, जांजगीर-चांपा में 528.2 मिमी, सक्ती में 532.5 मिमी, कोरबा में 639.4 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 608.5 मिमी, दुर्ग में 540.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 508.0 मिमी, राजनांदगांव में 720.0 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 828.9 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 688.1 मिमी, बालोद में 716.1 मिमी, बेमेतरा में 516.4 मिमी, बस्तर में 699.2 मिमी, कोण्डागांव में 502.1 मिमी, कांकेर में 594.2 मिमी, नारायणपुर में 589.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 789.7 मिमी और सुकमा में 789.7 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

राजभवन में सद्भावना दिवस के अवसर पर ली गई शपथ

रायपुर। राजभवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सद्भावना दिवस के अवसर पर शांति, सद्भाव एवं एकता स्थापित करने की शपथ ली। राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो, ने शपथ दिलाई। विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव, उपसचिव दीपक अग्रवाल, नियंत्रक संजय विश्वकर्मा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने इस अवसर पर शपथ ली।

उल्लेखनीय है कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के जन्मदिवस 20 अगस्त को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर जाति, सम्प्रदाय, क्षेत्र, धर्म अथवा भाषा का भेद-भाव किए बिना सभी भारतवासियों की भावनात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करने की शपथ ली गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किसी भी प्रकार की हिंसा से दूर रहने और मतभेदों को शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीके से सुलझाने की शपथ ली।

राज्य के सभी रीपा में जल्द ही बैंकिंग सुविधा होगी उपलब्ध

छत्तीसगढ़ राज्य योजना आयोग ने नाबार्ड, अपेक्स एवं अग्रणी बैंकों की ली बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नया रायपुर स्थित राज्य योजना आयोग के कार्यालय में आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह एवं मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने नाबार्ड, अपेक्स एवं अग्रणी बैंकों की बैठक ली। बैठक में राज्य में स्थापित सभी 300 रीपा में बैंक की सुविधा उपलब्ध कराने की चर्चा की गई। जिससे रीपा के ग्रामीण व्यवसायियों, स्व-सहायता समूहों को रीपा ग्राम में ही बैंकिंग सुविधा, त्वरित ऋण प्राप्त हो सकें। वर्तमान में 70 रीपा में बैंक सुविधा ग्रामीणों को उपलब्ध है साथ ही अन्य रीपा में बैंक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक में योजना आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमण्यम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के संयुक्त सचिव डॉ. गौरव सिंह और योजना आयोग के संयुक्त संचालक डॉ नीतू गोरडिया एवं बैंकों के

वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

आयोग के उपाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा की रीपा में बैंक लिंकेज करवाना सिर्फ हितग्राहियों के लिए ही नहीं, बल्कि बैंकों के लिए भी लाभदायक होगा। श्री सिंह ने सुझाव दिया की बैंक अपने क्षेत्र के रीपा में जागरूकता शिविर लगवाकर बैंकिंग सुविधाओं की बारे में लोगों को जानकारी दें। साथ ही कहा कि पंचायत विभाग और बैंक प्रतिनिधि समन्वय करके आगे की कार्य योजना तैयार करें।

मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री शर्मा कहा की आज के गावों के युवा महत्वाकांक्षी हो गए हैं और अपना उद्योग शुरू करना चाहते हैं। जिसमें रीपा एक बड़ी भूमिका निभा रहा है।

बैठक में बैंकों को रीपा में चल रही गतिविधियों और हितग्राहियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी दी गयी। बैंको ने तत्काल रूप से रीपा में से ही हितग्राहियों को चयनित कर उनके साथ सीएससी, माइक्रो एटीएम और बैंक मित्र के द्वारा बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने की बात कही। उन्होंने बताया कि मोबाईल बैंकिंग वैन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं दी जा सकती है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास के संयुक्त सचिव डॉ गौरव सिंह ने बैंक प्रतिनिधियों को अपने जिला में कार्यरत अधिकारियों के माध्यम से रीपा हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधाओं के प्रति जागरूक करने एवं हितग्राहियों को ऋण आवेदन की प्रक्रिया में सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए।

गौरतलब है रीपा-ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने के लिए गौठानों को महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) के रूप में विकसित करने के लिए बुनियादी अधोसंरचना, वर्कशेड आदि के विकास हेतु 300 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। राज्य में 300 महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिक पार्क (रीपा) का निर्माण कराया गया है। रीपा के अंदर एक प्रशासनिक क्षेत्र का निर्माण किया गया है, जिसमें बैंकिंग सुविधा हेतु क्योस्क, इंटरनेट सुविधा हेतु वाईफाई कनेक्शन राज्य शासन की योजनाओं की जानकारी हेतु हेल्पडेस्क का निर्माण किया गया है।

ब्रम्हास्त्र और जीवामृत की बिक्री से समूहों को 60 लाख की आय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौमूत्र से तैयार जैविक कीटनाशक और फसल वृद्धिवर्धक जीवामृत की बिक्री से महिला स्व-सहायता समूहों को 60 लाख 4 हजार 150 रुपए की आय अर्जित हो चुकी है। गौठानों में 4 रूपए लीटर की दर से गौमूत्र खरीदकर महिला स्व-सहायता समूहों इससे लगातार ब्रम्हास्त्र और जीवामृत तैयार कर रहे है, जिसे किसानों को रियायती दर पर किसानों को उपलब्ध कराया जा रहा है। किसान अब महंगे रासायनिक पेस्टिसाइट के बदले जैविक कीटनाशक ब्रम्हास्त्र और जीवामृत का उपयोग खेती में करने लगे हैं।

गौठानों में अब तक 2 लाख 31 हजार 933 लीटर गौमूत्र क्रय किया गया है, जिसका मूल्य 9 लाख 27 हजार 732 रुपए है। गौठानों में महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गौमूत्र से अब तक 99,335 लीटर कीटनाशक ब्रम्हास्त्र और 35,385 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत का उत्पादन किया जा चुका है, जिसका विक्रय किया जा रहा है। राज्य के किसानों द्वारा अब तक 95509 लीटर जैविक कीटनाशक ब्रम्हास्त्र और 33638 लीटर वृद्धिवर्धक जीवामृत क्रय कर खेती में उपयोग किया गया है, जिससे समूहों को कुल 60 लाख 4 हजार 150 रुपए की आय हुई है।

गोबर पेंट से 5 करोड़ 61 लाख की आय, गौठानों में संचालित उद्यम से महिला समूहों को 176.72 करोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौठानों से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों को अब विविध आयमूलक गतिविधियों के संचालन के साथ-साथ गोबर से प्राकृतिक पेंट के उत्पादन से भी आय होने लगी है। गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट, डिस्टेम्पर और पुट्टी से 5 करोड़ 61 लाख 72 हजार रुपए की आय हुई है।

वर्तमान में गोबर से प्राकृतिक पेंट बनाने के लिए गौठानों में 52 यूनिटें स्थापित की जा चुकी है, जिसमें से 50 यूनिटों में गोबर से प्राकृतिक पेंट उत्पादन किया जा रहा है। क्रियाशील यूनिटों के माध्यम से अब तक 2,44,073 लीटर प्राकृतिक पेंट, 1,12,212 लीटर डिस्टेम्पर तथा 9064 किलो पुट्टी का उत्पादन किया गया है, जिसमें से 1,91,132 लीटर प्राकृतिक पेंट, 83,162 लीटर डिस्टेम्पर तथा 2840 किलो पुट्टी के विक्रय से कुल 5 करोड़ 61 लाख 72 हजार रुपए की आय हुई है।

गौठानों में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए 300 रुरल इंडस्ट्रियल पार्क स्थापित किए गए हैं, जहां महिला समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों द्वारा विविध प्रकार की आयमूलक गतिविधियां संचालित की जा रही है। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा गौठानों में वर्मी खाद का उत्पादन सामुदायिक बाड़ी से सब्जी उत्पादन, मशरूम उत्पादन, मछली, बकरी, मुर्गी पालन, पशुपालन, गोबर, दीया, गमला, अगरबत्ती तथा अन्य गतिविधियां संचालित की जा रही है, जिससे महिला समूहों को आय हो रही है। गौठानों से 18090 महिला स्व-सहायता समूह जुड़े हैं, जिनकी सदस्य संख्या 2,12,336 है। आयमूलक गतिविधियों से महिला समूहों 176.72 करोड़ रुपए की आय हो चुकी है।

टीबी मुक्त पंचायत इनिशिएटिव्ह पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

2025 तक प्रदेश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य

स्वास्थ्य विभाग एवं पंचायत विभाग के अधिकारियों को किया गया सेंसिटाइज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा रीच इंडिया संस्था के सहयोग से टीबी मुक्त पंचायत इनिशिएटिव्ह पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित कार्यशाला में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को गांवों में क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सेंसिटाइज किया गया। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ को वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति के तहत टीबी मुक्त पंचायत इनिशिएटिव्ह प्रारंभ किया गया है। प्रदेश के सभी जिलों के जिला क्षय अधिकारी,

जिला कार्यक्रम समन्वयक/पीपीएम कोऑर्डिनेटर तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के जिला पंचायत के पंचायतीराज अधिकारी/समकक्ष अधिकारी कार्यशाला में शामिल हुए।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक डॉ. एस.के. पामभोई ने कहा कि क्षय रोग से मुक्ति के लिए ग्राम स्तर तक जाकर अभियान चलाना है। इसमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अहम भूमिका होगी। पूर्व में विभिन्न विभागों के समन्वय और सहयोग से पल्स पोलियो अभियान के माध्यम से भारत को पोलियो मुक्त किया गया है। इसी प्रकार एक बार फिर अभियान मोड में विभिन्न विभागों और नागरिकों के संयुक्त प्रयास से क्षय रोग को खत्म करना है। उन्होंने इस अभियान की सफलता के लिए कार्यशाला में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं।

राज्य क्षय अधिकारी डॉ. धर्मेन्द्र गहवई ने कार्यशाला में बताया कि वर्ष 2025 तक हमें हमारे सभी ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करना है। इसके लिए ग्राम स्तर पर योजना तैयार कर कार्य करने की आवश्यकता है। इस पर मंथन के लिए आज इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है। आपस में विचार-विमर्श कर आज हम अपने-अपने जिलों के ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने के लिए एक रोडमैप तैयार करेंगे। टीबी मुक्त पंचायत इनिशिएटिव्ह के अंतर्गत टीबी के उन्मूलन के लिए ग्राम पंचायतों के बीच एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना लाना है ।

टीबी मुक्त पंचायत इनिशिएटिव्ह के तहत ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत के लिए निर्धारित विभिन्न मापदंडों को पूर्ण करते हुए प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में टीबी मुक्त पंचायत का दावा करना होगा। जिला स्तरीय दल द्वारा दावे का सत्यापन कर संबंधित ग्राम पंचायतों को 24 मार्च को टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया जाएगा। ऐसे ग्राम पंचायतों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। कार्यशाला में कुछ जिलों ने अपने जिले को टीबी मुक्त बनाने के लिए ग्राम स्तर तक की कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. क्षितिज खापर्डे, रीच इंडिया के वरिष्ठ सलाहकार सुब्रत मोहंती और यूएस-एड की सुश्री अमृता गोस्वामी भी कार्यशाला में उपस्थित थीं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांदावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

जानें कितने घंटे की नींद है आपके लिए काफी महिलाओं को सोना चाहिए पुरुषों से ज्यादा

नींद आना और न आना हमारे हाथ में नहीं है लेकिन कुछ आदतों में सुधार कर पर्याप्त नींद ली जा सकती है। बच्चों को नींद ज्यादा आती है तो वहीं बुजुर्गों को नींद ही नहीं आती है। ऐसे में हर किसी के मन में यह सवाल उठता है कि आखिर कार किस उम्र के व्यक्ति को कितने घंटे सोना चाहिए। असल में किसे कितने घंटे सोना चाहिए यह उसके उम्र पर निर्भर करता है। अगर आप अपनी उम्र के अनुसार नींद नहीं ले रहें हो तो आप बीमार भी पड़ सकते हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आपको कितने घंटे सोना चाहिए।

नेशनल स्लीप फाउंडेशन के अनुसार 0 से 3 महीने के बच्चों को 14 से 17 घंटे सोना चाहिए। 4 से 12 महीने के बच्चों के 12 से 16 घंटे सोना चाहिए।

1 से 2 साल के बच्चों को 11 से 14 घंटे सोना चाहिए। 3 से 5 साल के बच्चों को 10 से 13 घंटे सोना चाहिए। 6 से 9 साल का बच्चों को 9 से 12 घंटे सोना चाहिए। 14 से 17 साल के बच्चों को प्रतिदिन लगभग 8-10 सोना चाहिए। अंत में युवाओं को 7 से 9 घंटे की नींद लेनी चाहिए। तो, 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को प्रतिदिन 7-8 घंटे की नींद लेनी चाहिए।

महिलाओं को लेनी चाहिए ज्यादा नींद

नेशनल स्लीप फांउडेशन के शोध की मानें तो टीनएज गर्ल्स को 8 से 10 घंटे की नींद की आवश्यकता होती है। वहीं 24 से लेकर 64 साल की महिलाओं को दिन में सात घंटे की नींद अवश्य लेनी चाहिए। एक रिसर्च में ये पाया गया है कि महिलाओं को पुरूषों के मुकाबले ज्यादा नींद की जरूरत होती है। हर महिला को पुरूष से 20 मिनट ज्यादा सोना चाहिए।

अमीषा पटेल ने जाहिर की ऋतिक रोशन के साथ काम करने की इच्छा

अमीषा पटेल मौजूदा वक्त में अपनी फिल्म गदर 2 की सफलता का आनंद उठा रही हैं। 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई यह फिल्म 283.35 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर चुकी है और 300 करोड़ क्लब में शामिल होने में कुछ ही दूर है। इन सब खबरों के बीच अब अमीषा ने दर्शकों का शुक्रिया अदा किया है। इसके साथ उन्होंने ऋतिक रोशन संग काम करने की इच्छा जाहिर की है। अमीषा और ऋतिक साल 2000 में आई फिल्म कहो ना प्यार है में साथ काम कर चुके हैं।

अमीषा ने कहा, मैं दर्शकों और अपने प्रशंसकों को धन्यवाद कहना चाहती हूं। सभी प्यारे लोगों को शुक्रिया। टिकट लेने के लिए लंबी लाइनों में लगना, कई बार जाना और हमारी फिल्मों को देखना किसी चुनौती से कम नहीं है। उन्होंने आगे कहा, किसी भी फिल्म को हिट कराने में दर्शकों का अहम योगदान होता है। हालांकि, दर्शकों के बाद मैं अपने ईश्वर को शुक्रिया कहूंगी। मैं बहुत खुश हूं।

अमीषा ने ऋतिक संग काम करने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, मुझे अच्छा लगेगा अगर मुझे ऋतिक के साथ दोबारा काम करने का अवसर मिलेगा। दर्शकों ने कहो ना प्यार है में हमारी केमिस्ट्री को काफी पसंद किया था। उन्होंने आगे कहा, हमारी पहली फिल्म एक रोमांटिक-थ्रिलर थी, लेकिन मैं चाहती हूं कि हम दोनों की दूसरी फिल्म कॉमेडी, शानदार संगीत और ढेर सारा डांस से भरपूर हो क्योंकि हम दोनों ही अच्छे डांसर हैं।

सूंघने की क्षमता खोना बड़े खतरे की आहट! इन बीमारियों की शुरुआत के हो सकते हैं संकेत

क्या आपकी सूंघने की कैपिसिटी कमजोर पड़ रही है? अगर आपका जवाब हां है तो वक्त आ गया है कि सतर्क हो लिया जाए। ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि सूंघने की क्षमता खोना गंभीर बीमारियों की चपेट में आने का एक संकेत भी हो सकता है। हाल ही में हुए एक शोध में यह पाया गया है कि अगर किसी व्यक्ति की सूंघने की क्षमता प्रभावित हो रही है तो हो सकता है कि उसे अल्जाइमर और डिमेंशिया की बीमारी हो। सूंघने की कैपिसिटी खोना डिप्रेशन का भी एक संकेत हो सकता है।

एक अध्ययन में पाया गया है कि व्यक्ति की सूंघने की कैपिसिटी जितनी ज्यादा खराब होती है, उतनी ही खराब उसकी मेंटल हेल्थ भी होती है। ऐसा नहीं है कि सूंघने की क्षमता कमजोर पड़ने से डिप्रेशन का खतरा रहता है। लेकिन इतना जरूर है कि ये किसी के डिप्रेशन में होने का संकेत हो सकता है।

सूंघने की कैपिसिटी खोना हमारे स्वास्थ्य को कई मायनों में प्रभावित करता है। अगर आप कभी-भी ये लक्षण अपने शरीर में महसूस करें तो बिल्कुल नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से अपनी जांच कराएं।

स्मैल करने कैपिसिटी का खोना अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसी न्यूरोडीजेनेरेटिव डिज़ीज़ की शुरूआत होने का वार्निंग सिग्नल हो सकता है। एनएचएस कहता है कि पीड़ित लोग जितनी जल्दी डॉक्टर से हेल्प लेंगे, उतनी ही जल्दी उन्हें ठीक होने में मदद मिलेगी। ऐसे बहुत से लोग हैं जो डिप्रेशन से जूझ रहे होते हैं, लेकिन डॉक्टर से मदद नहीं लेते। आपको शरीर में किसी भी तरह के असामान्य लक्षण दिखाई दें तो डॉक्टर के पास जाने में बिल्कुल देरी ना करें। क्योंकि देरी करने से आपकी जान खतरे में पड़ सकती है।

विद्या बालन की नीयत ने ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन को पिछली बार स्पाई थ्रिलर फिल्म नीयत में देखा गया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी। 50 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म नीयत ने टिकट खिड़की पर महज 5.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। अब विद्या की नीयत ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है ।ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे ओटीटी पर देख सकते हैं।

फिल्म नीयत में विद्या ने मीरा राव नाम की महिला का किरदार निभाया है, जो जासूस बनकर हत्या की गुत्थी सुलझाती है। इसमें नीरज काबी, राम कपूर, शहाणा गोस्वामी, शशांक अरोड़ा, अमृता पुरी, मीता वशिष्ठ और प्राजक्ता कोली समेत कई कलाकार अहम कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आए थे। फिल्म का निर्देशन अनु मेनन ने किया था, जबकि नीयत की कहानी अनु, गिरवाणी ध्यानी, अद्वैत कला और प्रिया वेंकटरमन ने मिलकर लिखी था। नीयत का निर्माण विक्रम मल्होत्रा ने किया था। इसमें शेफाली शाह का कैमियो भी है। फिल्म ग्लास अनियन की आधिकारिक रीमेक नहीं है, लेकिन इसकी याद जरूर दिलाती है। नेटफ्लिक्स पर मौजूद इस फिल्म में भी करीबी दोस्तों के बीच आलीशान पार्टी के दौरान एक मौत होती है और हर किसी पर शक की सुई घूमती है।

साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा ने वनपीस में ढाया कहर

साउथ एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी खूबसूरती से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की कुछ फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी ग्लैमरस अदाएं देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ना सिर्फ साउथ में बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेर चुकी हैं। उनकी हर एक अदाओं पर अक्सर फैंस अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस का दिल मचल गया है। हालांकि लोगों का उनके इस लुक से निगाहें हटाना मुश्किल हो गया है। प्रज्ञा जैसवाल ने अपने इन फोटोज को क्लिक करवाते हुए ग्रीन कलर का वनपीस ड्रेस पहना हुआ है। अभिनेत्री अपनी इन तस्वीरों में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेक्सी अंदाज में पोज देते हुए फैंस के दिलों पर खंजर चला रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तारीफ के पुल बांधते नहीं थकते हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपनी परफेक्ट टोंड लेग्स फ्लॉन्ट करते हुए किलर लुक्स दिए हैं। कानों में इयररिंग्स, ओपन हेयर और न्यूड मेकअप कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती से निखारा है।

'जानकी' के मेगा प्रीमियर के साथ सुभाष घई ने रचा इतिहास

अनुभवी फिल्म निर्माता ने शुरुआती 11 मिनटों में किसी भी संवाद के बिना सिनेमाई प्रतिभा की एक नई लहर की शुरुआत की। अपने सिनेमाई चमत्कारों के लिए प्रसिद्ध प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुभाष घई ने 'जानकी' से टेलीविजन पर अपनी शुरुआत की। 15 अगस्त, 2023 को प्रीमियर एक महत्वपूर्ण अवसर था क्योंकि दर्शकों को किसी अन्य से अलग शो का अनुभव हुआ। सुभाष घई के पहले टेलीविजन चमत्कार, 'जानकी' की पूरी टीम ने 15 अगस्त को पहले एपिसोड के अनावरण का जश्न एक साथ मनाया।

सुभाष घई ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'जानकी' के साथ मेरा पहला टेलीविजन उद्यम शुरू करना एक रोमांचक यात्रा रही है। टेलीविजन एक पूरी तरह से नया कैनवास पेश करता है, और मैं इसकी क्षमता का पता लगाने के लिए उत्सुक हूं।

'जानकी' ने कहानी कहने में एक साहसिक कदम उठाया, पहले 11 मिनट में बिना किसी संवाद के एक प्रीमियर एपिसोड प्रस्तुत किया। इस सिनेमाई चुप्पी ने दृश्यों, पृष्ठभूमि स्कोर और अभिव्यक्तियों को शब्दों से परे एक कथा बनाने की अनुमति दी। घई की अग्रणी भावना स्पष्ट थी जब उन्होंने अपनी पसंद का वर्णन करते हुए कहा, 'जानकी' के साथ, हमारा लक्ष्य आकर्षक कहानी कहने की शक्ति को बढ़ाना था। हमारी पूरी कास्ट और क्रू ने पहले 11 मिनट (जहां कोई संवाद नहीं है) को जटिल रूप से दर्शाया। मेरा मानना है कि भावनाएं समाहित होती हैं मानवीय भावनाओं की सार्वभौमिक भाषा। 'जानकी' मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने का वादा करते हुए, टेलीविजन में सुभाष घई के परिवर्तन का प्रतीक है। प्रीमियर के दौरान प्रदर्शित अद्वितीय कहानी कहने के दृष्टिकोण ने उद्योग के अग्रणी के रूप में शो की स्थिति को मजबूत किया। जैसे ही इस उल्लेखनीय शाम को क्रेडिट मिला, यह स्पष्ट हो गया कि 'जानकी' ने टेलीविजन नवाचार के इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ मलखंब ग्रुप इंडियाज गॉट टैलेंट में मचाएंगे तहलका, अर्जुन बिजलानी के बेटे के उपहारों से होंगे हैरान

आखिरकार इंतजार खत्म हुआ क्योंकि इंडियाज गॉट टैलेंट ने इस वीकेंड में अपने 'टॉप 14' प्रतियोगियों को दुनिया के सामने पेश किया। यह शो विविध भारतीय प्रतिभाओं का प्रदर्शन कर रहा है, जिसने जूरी-किरण खेर, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और बादशाह का दिल जीत लिया है। और अब, शो को अपने शीर्ष 14 प्रतियोगी मिल गए हैं जो हैरान करने वाले एक्ट करेंगे, जिससे साबित होगा कि वे 'टैलेंट का वर्ल्ड प्रीमियर' में शामिल होने के लायक हैं। जबरदस्त परफॉर्मेंस से लेकर अत्याधुनिक एक्ट्स तक, इंडियाज गॉट टैलेंट का भव्य प्रीमियर एपिसोड 'ब्लॉकबस्टर' होने का वादा करता है!

लेकिन छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ मलखंब ग्रुप ने ऑडिशन राउंड में मंच पर तहलका मचा दिया और अपने लुभावने परफॉर्मेंस से सभी को हैरान कर दिया। और इस वीकेंड, इस सदियों पुरानी कला को जीवित रखने के उद्देश्य से, यह ग्रुप शानदार गीत 'जियो रे बाहुबली' पर प्रदर्शन करते हुए अपने एक्ट को एक कंटेम्पररी ट्विस्ट देगा। आधुनिक कोरियोग्राफ से संयोजित पारंपरिक मलखंब तकनीक निश्चित रूप से मंत्रमुग्ध कर देने वाला अनुभव होगा, जिससे दर्शक हैरान रह जाएंगे।

इस एक्ट से प्रभावित होकर, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने कहा, एक होता है छापामार युद्ध, और एक होता है छापामार डांस, ये बिलकुल वैसा ही था। सटीक नियंत्रण के साथ आपकी परफॉर्मेंस अद्भुत थी। जिस तरह से आपने कहानी बताई, उससे मुझे बहुत खुशी हुई। ऐसा लगा मानो आप अपनी ही कहानी बता रहे हों।

बादशाह ने भी कहा, हमने पहले भी मलखंभ देखा है, लेकिन यह इस कला को प्रदर्शित करने का नया तरीका है, और हर बार, आप मंच पर कुछ पेश करते हैं, तो उससे हम हैरान रह जाते हैं। दिमाग की अपनी सीमा होती है और हर बार जब सोचते हैं कि इससे बेहतर क्या ही होगा, तो आप अपने एक्ट से हमें हैरान कर देते हैं। आपने जो एक्ट परफॉर्म किया है, वह एक तरह से खतरनाक और सुंदर दोनों है, जो महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ता है। सब कुछ बेहद तालमेल में है। यह एक्ट पूरी तरह से इच्छाशक्ति पर आधारित है। आपका परफॉर्मेंस मजबूत है, और मुझे अक्सर हैरानी होती है कि अगर आपको अंतरराष्ट्रीय एथलीटों को मिलने वाली सुविधाओं की तरह सही सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर मिलता तो आपने न जाने क्या कुछ हासिल कर लिया होता। आपके लिए मेरा दिल हाजिर है। मुझे नहीं पता कि इंडियाज गॉट टैलेंट कौन जीतेगा, लेकिन मुझे पता है कि आप अपने प्यार से लाखों दिलों को छू लेंगे, जो किसी भी जीत से ज्यादा महत्वपूर्ण है। यह एक शानदार प्रदर्शन था।

मेजबान अर्जुन बिजलानी, जो हमेशा प्रतियोगियों का समर्थन करते हैं, उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं, सुरेश (ग्रुप के सबसे कम उम्र के सदस्य) को उनके बेटे अयान बिजलानी द्वारा भेजे गए उपहारों से हैरान करते हुए नजर आएंगे। इसके अलावा, इंडियाज गॉट टैलेंट की टीम भी सुरेश के जन्मदिन का जश्न मनाने में शामिल होगी, जिससे यह दिन उनके लिए वाकई यादगार बन जाएगा। इंडियाज गॉट टैलेंट पर 'टैलेंट का वर्ल्ड प्रीमियर' देखें, इस शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर!

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना अंतर्गत स्कूलों के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य प्राथमिकता से करें - कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर डोमन सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत स्कूलों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि योजना के तहत स्कूलों के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार का कार्य प्राथमिकता से करें। उन्होंने मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं चल रहे कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के तहत जिन स्थानों पर स्कूलों के मरम्मत एवं निर्माण कार्य चल रहे है, वहां के प्राचार्य भी समय-समय पर इन कार्यों की प्रगति की जानकारी संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को देना सुनिश्चित करें। उन्होंने संपर्क डिवाईस के माध्यम से स्कूलों में दी जा रही शिक्षा की जानकारी ली और कहा कि जिन विद्यालयों में पर्याप्त प्रगति नहीं हो पाई है, वहां इसे प्राथमिकता से लेते हुए कार्रवाई सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने समग्र शिक्षा, साक्षर भारत मिशन, स्कूल शिक्षा विभाग, ऑनलाईन कोचिंग, स्मार्ट टीवी के रख-रखाव एवं संपर्क किट के उपयोग, स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय, सुघ्घर पढ़वइया, अंगना म शिक्षा एवं अन्य विषय पर चर्चा की। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी राजेश सिंह, जिला परियोजना अधिकारी साक्षरता रश्मि सिंह, जिला मिशन समन्वयक सतीश ब्यौहारे सहित विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी, एबीओ सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

मतदाता जागरूकता अभियान : डॉ. राधाबाई महाविद्यालय में नए मतदाताओं का किया गया सम्मान

रायपुर। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. राधाबाई शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय, रायपुर में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही महाविद्यालय से मतदाता सूची में जुड़े हुए नवीन मतदाताओं को रिबन पहना कर सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी एच. के. जोशी उपस्थित थे। उन्होंने छात्राओं को मतदान का महत्व बताते हुए मतदान करने की अपील की। कार्यक्रम में बताया गया कि महाविद्यालय में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम नवंबर-दिसंबर 2022 प्रथम चरण में 493 छात्रों ने ऑनलाइन एप में अप्लाई किए थे, उनमें से 203 छात्रों के इपिक कार्ड घर तक पहुंच गए हैं। ऐसे मतदाताओं का मतदाता बंधन बांधकर सम्मान किया गया। वहां छात्राओं के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विजयी छात्राओं को सर्टिफिक्रेट भी प्रदान किया गया। सहायक अध्यापक श्रीमती चंचल चतुर्वेदी ने एनएसएस और यूथ रेडक्रास के स्वयंसेवकों को मतदान का महत्व बताया। इसी क्रम में मतदान की अनिवार्यता एवं महत्व को समझाते हुए छात्राओं को मतदान हेतु शपथ भी दिलवाई गई। इस अवसर पर जिला परियोजना अधिकारी, डॉ. कामिनी बावनकर ,सहायक जिला परियोजना अधिकारी डॉ. चुन्नीलाल शर्मा जी उपस्थित रहे थे।

निर्माण कार्यो को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने के दिए निर्देश

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने जिले में स्वीकृत निर्माण कार्यो की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने के लिए निर्माण एजेंसियों की बैठक ली। बैठक में कलेक्टर ने निर्माण एजेंसियों से कहा कि नवीन जिला होने के चलते जिले को विकास की मुख्यधारा से जोडने् के लिए अनेक निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि जन अपेक्षाओं और जिले की आवश्यकता को देते हुए इन निर्माण कार्यो का निर्धारित समयावधि में पूर्ण होना आवश्यक है। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सभी अधिकारी अपनी जवाबदारी को समझते हुए निर्माण कार्यो को प्राथमिकता दें और उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें । बैठक में लोक निर्माण विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सिंचाई विभाग, आदिवासी विकास विभाग, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन के द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर ने वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्य की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों की स्थिति के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि आचार संहिता लागू होने के पूर्व निर्माण कार्यों को पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि किसी भी निर्माण कार्य में उपयोग में आने वाले सामग्रियों की गुणवत्ता की जांच करें। उन्होंने कहा कि गुणवत्ताहीन सामग्रियों का उपयोग निर्माण कार्यों में ना करें। बैठक में कलेक्टर ने वर्षा के चलते खराब हुई सड़कों के संधारण और मरम्मत के कार्य को प्राथमिकता से करने कहा है।

जगदलपुर के संकल्प शिविर में उमड़ा कार्यकर्ताओं का सैलाब

सीएम बघेल ने कांग्रेस प्रत्याशियों को जिताने का संकल्प दिलाया

श्रीकंचपनथ न्यूज

जगदलपुर। कांग्रेस के जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र स्तरीय संकल्प शिविर का आयोजन कृष्णा गार्डन धरमपुरा में हुआ। दोपहर बाद आयोजित कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, मंत्री कवासी लखमा, विधायक रेखचंद जैन व अन्य अतिथियों के साथ छत्तीसगढ़ महतारी के तैल चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद खचाखच भरे हाल में विधानसभा क्षेत्र के बूथ, सेक्टर व जोन से आए पदाधिकारियों- सदस्यों को कांग्रेस प्रत्याशियो को सभी सीटों पर जिताने का संकल्प दिलाया।

वर्तमान विधानसभा के 90 सीटों में कांग्रेस के 71 विधायकों के होने तथा अगली बार इससे अधिक विधायकों के चुने जाने का भरोसा दिलाया व कांग्रेस सरकार में समाज के सभी वर्गों को राहत- रियायत मिलने की बात कही। श्री बघेल ने विभिन्न सामाजिक संगठनों को सामुदायिक भवनों के लिए कांग्रेस सरकार के द्वारा भूमि उपलब्ध कराने और देवगुडियों - मातागुडियों के मरम्मत- जीर्णोद्धार कराने की योजना को रेखांकित किया। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अनेक मौकों पर अपने संबोधन के दौरान भाजपा पर तीखा प्रहार भी किया। उन्होने भाजपा शासनकाल में मणिपुर में आदिवासियों के विरुद्ध की जा रही कारवाई का भी कार्यकर्ताओं को स्मरण दिलाया। मुख्यमंत्री के उद्बोधन के दौरान अनेक बार कार्यक्रम स्थल 'भूपेश है तो भरोसा है ' के नारों से गूंजता रहा।

श्री बघेल ने भाजपा शासन के दौरान बस्तर परिवहन संघ के कार्यालय में ताला जड़ने व महारानी अस्पताल को बंद किए जाने का जिक्र करते कहा कि प्रदेश की सत्ता संभालते ही उन्होने इन्हें बहाल किया था।

बैज ने भाजपा को लिया आड़े हाथ

कार्यक्रम में मौजूद प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज ने भाजपा को जमकर आड़े हाथ लिया। उन्होने कहा कि प्रदेश की सत्ता में 15 साल रहने के दौरान भाजपा के नेताओं ने जनता को लूटने- ठगने का काम ही किया है। यही कारण है कि प्रदेश की मात्र 16 सीटों पर भाजपा सिमट गई थी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व की खूब सराहना की। श्री बैज ने कार्यकर्ताओं की सराहना की और कहा कि उनके दम पर न केवल प्रदेश की सत्ता पर कांग्रेस फिर से काबिज होगी बल्कि पिछली बार की तुलना में इस बार अधिक सीटें कांग्रेस जीतेगी।

विधायक जैन ने आभार माना

कार्यक्रम के अंत में जगदलपुर विधायक रेखचंद जैन ने संकल्प शिविर में आए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी चीफदीपक बैज, मंत्री कवासी लखमा, बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण अध्यक्ष व बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल, महापौर सफीरा साहू समेत समस्त बूथों से आए पदाधिकारियों, सेक्टर व जोन प्रभारियों और वरिष्ठ- कनिष्ठ कांग्रेसजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सलाहकार विनोद वर्मा, क्रेडा अध्यक्ष मिथिलेश स्वर्णकार, इंद्रावती विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, मलकीत सिंह गैदू, नगर निगम अध्यक्ष कविता साहू समेत शहर व ग्रामीण कांग्रेस, सेवादल, महिला कांग्रेस, युवक कांग्रेस, एनएसयूआई तथा कांग्रेस के अन्य संगठन- प्रकोष्ठ के हजारों कार्यकर्ता- पदाधिकारी मौजूद थे। कार्यक्रम संचालन मुख्यमंत्री सलाहकार राजेश तिवारी व सांसद प्रतिनिधि सुशील मौर्य ने किया।

मुख्यमंत्री वृक्ष सम्पदा योजनाः

पर्यावरण संरक्षण के साथ होगा मृदा संरक्षण

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में किसानों की आय में बढ़ोत्तरी और पर्यावरण सुधार के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण 'मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना' प्रारंभ की गई है। इसका क्रियान्वयन वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा किया जा रहा है। इसकी सराहना 'रैली फॉर रिवर्स ' अभियान द्वारा की जा चुकी है। 'रैली फॉर रिवर्स ' ने ट्वीट में लिखा है कि वाणिज्यिक वृक्षारोपण के जरिए किसानो की आमदनी में बढ़ोत्तरी के लिए राज्य सरकार की यह एक अद्भुत पहल है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में प्रारंभ की गई 'मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना' बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण को बढ़ावा देने का राष्ट्रीय स्तर पर पहला बड़ा अभियान है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर 21 मार्च को इस योजना का शुभारंभ किया। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ में पांच वर्षों में एक लाख 80 हजार एकड़ निजी भूमि में चिन्हित प्रजातियों के 15 करोड़ वृक्ष लगाने का लक्ष्य है। अब तक प्रदेश के 23 हजार 600 किसानों ने 36 हजार 230 एकड़ जमीन पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण के लिए पंजीयन कराया है। इस योजना के माध्यम से किसानों को सालाना प्रति एकड़ 15 से 50 हजार रूपए तक की आय होने का अनुमान है। इसके अलावा कार्बन क्रेडिट के माध्यम से भी किसानों को आमदनी होगी। इस योजना में पांच एकड़ में वाणिज्यिक वृक्षारोपण करने वाले हितग्राहियों को शत-प्रतिशत अनुदान तथा पांच एकड़ से अधिक वृक्षारोपण करने वाले हितग्राहियों को 50 प्रतिशत अनुदान देने का प्रावधान है। 'मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना' में पहली बार चिन्हित प्रजातियों के वृक्षों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी की गारंटी भी दी गई है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि मुख्यमंत्री वृक्ष संपदा योजना का लाभ किसान, इच्छुक भूमि स्वामी, शासकीय, अर्ध शासकीय एवं शासन के स्वायत्त संस्थाएं, निजी शिक्षण संस्थाएं, निजी ट्रस्ट, पंचायत तथा भूमि अनुबंध धारक उठा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में योजना के तहत विभिन्न प्रजाति के वृक्ष का रोपण किया जाएगा। इनमें क्लोनल यूकलिप्टस, रूटशूट टीक, टिश्यू कल्चर, चंदन, मेलिया दुबिया, सामान्य बांस, टिश्यू कल्चर बम्बू, रक्त चंदन, आंवला, खमार, शीशम तथा महानीम आदि के पौधे रोपे जाएंगे। यह योजना हितग्राहियों के लिए आर्थिक दृष्टि से लाभप्रद होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और मृदा संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित होगी।

एनआईटी रायपुर में हिंदी कार्यशाला का किया गया आयोजन

बताई गई हिंदी टाइपिंग की बारीकियां

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर की राजभाषा समिति द्वारा 18 अगस्त को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यालय , प्रधान आयुक्त ,केंद्रीय माल एवं सेवाकर, रायपुर के वरिष्ठ अनुवादक अधिकारी भूपेंद्र पांडे इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि रहे। राजभाषा समिति के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. एस. एम. सैनी के मार्गदर्शन में इस कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ।

इस कार्यक्रम में संस्थान की निदेशिका(प्रभारी) डॉ. ए. बी. सोनी भी उपस्थित रही 7 कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. ए. बी. सोनी , भूपेंद्र पांडे और डॉ. एस. एम. सैनी ने दीप प्रज्वलन कर किया। इसके बाद डॉ. ए. बी. सोनी ने मुख्य अतिथि तथा सभी छात्रों का स्वागत किया और राजभाषा समिति को इस कार्यशाला के आयोजन के लिए बधाई दी।

उन्होंने इस समिति के इतिहास और महत्व को वर्णित किया तथा सही हिंदी न समझ पाने के कारण हो रही समस्याओं के बारे में बात की ।

डॉ. एस. एम. सैनी ने राजभाषा समिति के निर्माण के इतिहास एवं उदेश्य को बताते हुए इस समिति के कार्यों का वर्णन किया तथा ग्रह मंत्रालय द्वारा इसे एक स्वतंत्र विभाग बताते हुए इसके कार्यों और उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने इस समिति द्वारा समय समय पर आयोजित की जाने वाली अनेक गतिविधियों से सभी उपस्थित सदस्यों को अवगत करवाया।

भूपेंद्र पांडे ने हिंदी टाइपिंग पर एक प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करते हुए हिंदी तथा अन्य भाषाओं में टाइप करने के अनेक तरीकों का वर्णन किया। उन्होंने यूनिकोड के प्रयोगों से सभी सदस्यों को परिचित कराया। हिंदी में रुचि रखने वाले छात्रों की सहायता हेतु उन्होंने अपनी वेबसाइट के विषय में भी बताया। फोनेटिक कीबोर्ड, चैट जीपीटी तथा गूगल ट्रांसलेटर की सहायता से कंप्यूटर में कैसे आसानी से हिंदी भाषा में लिखा जा सकता है इसके बारे में उन्होंने विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन सभी से फीडबैक लेकर किया गया।

भाइयों की कलाई में सजेगी 'रीपा' में तैयार राखियां कोरिया की बहनें स्नेह के डोर बनाने में जुटी

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार में आते ही ग्रामीणों, किसानों, आदिवासियों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की बेहतरी के अनेक योजनाएं शुरू की है। ग्रामीणों को रोजगार और आजीविका से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) लगातार स्थापना की जा रही है।

रीपा में स्थानीय स्तर पर काम मिलने से बड़ी संख्या में महिलाएं भी इससे उत्सुकता के साथ जुड़ रही है और आर्थिक रूप से उन्हें संबल मिला है। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर जनपद के ग्राम मझगवां में स्थापित महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) में कार्यरत महिलाएं इस बार भी राखी बनाने में जुटी हैं। रीपा में तैयार स्नेह की यह डोर भाइयों के कलाई में सजेगी। स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा इस बार करीब 8 हजार राखियां तैयार की जा रही हैं।

समूह से तैयार राखियों को स्थानीय व्यापारियों द्वारा हाथों-हाथ खरीद लिया जाता है और इस बिक्री से प्राप्त राशि को महिलाएं आपस में बांट लेती है। महिला एवं बाल विकास विभाग, कोरिया के लिए भी समूह की महिलाएं एक हजार राखियां तैयार कर रही है।

राखी तैयार कर रही सविता राजवाड़े, साधना, पुष्पावती, अनुरोधा सहित समूह के सदस्यों ने बताया कि बहुत ही शिद्दत के साथ वे राखियां तैयार कर रही हैं। सविता बताती है कि कोरोना के कारण वर्ष 2021 में राखियां तैयार नहीं की गई थी लेकिन विगत वर्ष से पुनः राखियां बनाई जा रही है। स्थानीय व्यापारियों द्वारा हमारे तैयार राखियां को बहुत पंसद किया जाता है, मांग को देखते हुए हमने पिछले 15 दिनों से राखी बनाने का काम शुरू कर दिया है। इसके साथ ही मझगवां स्थित रीपा केन्द्र में महिलाएं मनिहारी समान भी तैयार कर रही है जो ग्रामीण महिलाओं को खासा पसंद आ रहा है। विदित हो कि ग्राम मझगवां स्थित रीपा में पेपर कप मेकिंग, बोरी बैग स्टिचिंग व प्रिंटिंग, गोबर से प्राकृतिक पेंट निर्माण यूनिट लगा हुआ है। इस यूनिट में करीब पांच महिला स्व-सहायता समूह की 50 से अधिक महिलाएं कार्यरत हैं। रीपा ने रोजगार के साथ परिवार को आर्थिक सम्बल देने का काम किया है।

एनएलसी इंडिया लिमिटेड ने राजस्थान के साथ 300 मेगावाट सौर परियोजना के लिए दीर्घकालिक विद्युत उपयोग समझौता किया

नई दिल्ली (पीआईबी)। एनएलसी इंडिया लिमिटेड, कोयला मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है, ने राजस्थान में सीपीएसयू योजना के तहत 300 मेगावाट सौर ऊर्जा की आपूर्ति के लिए राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के साथ दीर्घकालिक विद्युत उपयोग समझौता किया है।

एनएलसीआईएल के पास वर्तमान में 1,421 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता है। कंपनी की कॉरपोरेट योजना के अनुसार वह 2030 तक 6,031 मेगावाट क्षमता स्थापित करने पर विचार कर रही है। कंपनी ने प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (आईआरईडीए) द्वारा शुरू की गई सीपीएसयू योजना चरण-II की कड़ी-III में 510 मेगावाट सौर परियोजना क्षमता हासिल की है। राजस्थान के बीकानेर जिले के बरसिंगसर में 300 मेगावाट सौर परियोजना क्षमता कार्यान्वित की जा रही है। इस परियोजना के लिए ईपीसी अनुबंध प्रतिस्पर्धी बोली के माध्यम से मेसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम को दिया गया है। 300 मेगावाट सौर परियोजना के लिए विद्युत उपयोग समझौते (पीयूए) पर एनएलसी इंडिया लिमिटेड और राजस्थान ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (आरयूवीएनएल) के बीच 17 अगस्त 2023 को जयपुर में आरयूवीएनएल के निदेशक (वित्त) श्री डी.के. जैन और एनएलसी इंडिया लिमिटेड के जीएम (पीबीडी) श्री डी. पी. सिंह ने राजस्थान सरकार के प्रधान सचिव (ऊर्जा) श्री भास्कर ए सावंत, आरयूवीएनएल के प्रबंध निदेशक श्री एमएम रणवा और एनएलसी इंडिया लिमिटेड के सीएमडी श्री प्रसन्ना कुमार मोटुपल्ली, एनएलसीआईएल के ईडी (वित्त) श्री मुकेश अग्रवाल, बरसिंगसर के प्रोजेक्ट हेड श्री जगदीश चंद्र मजूमदार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में राजस्थान सरकार को अगले 25 वर्षों तक आपूर्ति के लिए हस्ताक्षर किए।

इस परियोजना से प्रतिवर्ष 750 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया जाएगा और उत्पादित कुल हरित विद्युत राजस्थान को आपूर्ति की जाएगी। यह परियोजना राजस्थान को उनके नवीकरणीय ऊर्जा खरीद दायित्व लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करेगी।

इस परियोजना से उत्पन्न विद्युत से हर साल 0.726 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी लाने में मदद करेगी। नवीकरणीय ऊर्जा के संबंध में, तमिलनाडु में वर्तमान में 1.40 गीगावॉट क्षमता के अतिरिक्त, पहली बार एनएलसीआईएल अन्य राज्यों में इस क्षमता का विस्तार कर रहा है।

कलेक्टर ने किसानों से की भेंट, धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए सराहना की

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन आज ग्रामीण अंचल का दौरा कर किसानों से भेंट की। उन्होंने धान के बदले अन्य फसल का उत्पादन कर रहे किसानों से चर्चा कर सराहना की। किसान द्वारा एक एकड़ में कोदो की खेती की जा रही है। इस संबंध में कलेक्टर ने किसान से आवश्यक जानकारी ली। बीज प्रबंधन के संबंध में चर्चा की। साथ ही कलेक्टर ने गन्ने की खेती को भी देखा। ग्राम गोटाटोला में ही किसान कोमल दास द्वारा की जा रही सोयाबीन की खेती को देखा। किसान से मिलकर उनसे फसलचक्र, उत्पादन, कीमत आदि के संबंध में चर्चा की। सुंगन्धित धान देवभोग का उत्पादन किसानों से भी उन्होंने मुलाकात किया। कलेक्टर ने ग्राम संबलपुर में पल्लेवाड़ी फारमर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष पंचराम नामदेव समेत ग्रामीणों से मुलाकात कर उक्त फर्म के बारे में जानकारी ली।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

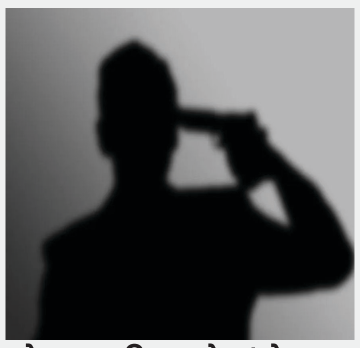

कोबरा बटालियन के इंस्पेक्टर ने की खुदकुशी, अपनी ही सर्विस गन से खुद को मारी गोली

बीजापुर। सीआरपीएफ 210 कोबरा बटालियन के इंस्पेक्टर ने खुदकुशी कर ली है। शुक्रवार को सुबह उसने अपनी ही अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनकर साथी जवान पहुंचे तो इंसपेक्टर जमीन में पड़ा था। आनन फानन में उसे अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। बीजापुर एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने घटना की पुष्टि की है।

एसपी आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि बासागुडा 210 कोबरा बटालियन में पदस्थ इंस्पेक्टर शफी अहमद ने अपनी सर्विस गन से खुद को गोली मा र ली। घायल अवस्था में जवान को इलाज के लिए जिला अस्पताल बीजापुर लाया गया था, जहां पर इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इंस्पेक्टर शफी अहमद मूलत: दिल्ली के रहने वाले थे। इंस्पेक्टर ने इतना बड़ा कदम क्यों उठाया इसकी जांच की जा रही है। घटना की सूचना मृतक इंसपेक्टर के परिजनों को दे दी गई है।

शिवनाथ तैरती मिली युवक की लाश, मछुवारे ने निकाला बाहर, जांच में जुटी पुलिस

दुर्ग। शिवनाथ नदी के पुराने पुल के पास शुक्रवार को नदी में युवक की लाश तैरती मिली। स्थानीय मछुवारों की नजर पड़ी तो उसे बाहर निकाला गया। मछुवारे श्याम डीमर ने अपने साथियों की मदद से नदी में तैर रहे शव को बाहर निकाला। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिलहाल जांच जारी है।

मछुवारे श्याम डीमर ने बताया कि शुक्रवार को रोज की तरह नदी घाट पहुंचे तो देखा कि लाश तैर रही है। इसके बाद साथियों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को जिला अस्पताल के मरच्यूरी में भिजवा दिया। मृतक की अभी शिनाख्त नहीं हुई है। मृतक ने लाश शर्ट व नीली जीन्स पहनी हुई थी। मृतक की उम्र 32 वर्ष के लगभग बताई जा रही है। फिलहाल पुलगांव पुलिस शव की शिनाख्ती का प्रयास कर रही है।

गांजा तस्करी में पकड़ाई युवती

स्कूटी से बेचने ले जा रही थी 9 किलो गांजा, प्रशिक्षु डीएसपी ने धर दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के उतई थाने में पदस्थ प्रशिक्षु डीएसपी ने गांजा तस्करी करते एक युवती को पकड़ा है। युवती डोंगरगांव जिला राजनांदगांव की रहने वाली है और रायपुर से गांजा लेकर डोंगरगांव बेचने जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर प्रशिक्षु डीएसपी आकांक्षा पाण्डेय ने हमराह स्टाफके साथ घेराबंदी कर युवती को गिरफ्तार किया। युवती के कब्जे से 9 किलो 450 ग्राम गांजा, 1750 रुपए नगदी और स्कूटी जब्त की है। उतई पुलिस द्वारा युवती के खिलाफधारा 20ख, 27क एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

प्रशिक्षु डीएसपी आकांक्षा पाण्डेय ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 6.10 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि डोंगरगांव राजनांदगांव निवासी कु. निकिता ठाकुर अपने वाहन मेस्ट्रो क्रमांक सीजी 07 BX 7122 से भारी मात्रा में गांजा लेकर अपने घर जा रही है। सूचना के बाद पुलिस की टीम ने घेराबंदी की और स्कूटी सवार युवती को डुमरडीह नहर पुल के सामने रोका गया। तलाशी लेने पर युवती के मेस्ट्रो में भूरे रंग का बैग मिला जिसमें 9 किलो 450 ग्राम गांजा भरा हुआ था। गांजा के अलावा युवती के पास से 1750 रुपए नगदी और स्कूटी जब्त किया गया।

पढ़ाई के साथ गांजा तस्करी करती रही युवती

पूछताछ में युवती ने जो खुलासे किए उससे पुलिस भी हैरान रह गई। युवती ने बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से गांजे की खरीद फरोख्त कर रही है। पढ़ाई करते करते महासमुंद तथा रायपुर जिले के अलग अलग स्थानों से गांजा खरीद कर राजनांदगांव क्षेत्र में लोगो को बेचती रही है। युवती ने बताया कि शुक्रवार को उसने रायपुर पचपेड़ी नाका ओव्हरब्रिज के पास से 10 किलो गांजा खरीदी थी और उसे डोंगरगांव राजनांदगाव ले जा रही थी। पुलिस ने आरोपी युवती के पास से गांजा व नगदी सहित कुल 1,61,750 रुपए का मशरुका बरामद किया है।

रायपुर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन

एक स्कूटी में चार सवारी, रोड में युवक-युवतियों की मस्ती दूसरों पर पड़ी भारी

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में शुक्रवार की शाम एक स्कूटी में चार सवारी बैठी दिखी। ये युवक-युवतियां ट्रैफिक नियम के खिलाफ स्कूटी में बैठे थे। जिससे चालक हैंडल भी सही तरह से नहीं मोड़ पा रहा था जिसके कारण सामने चल रही गाड़ियों से टकराने की आशंका बनी हुई थी।

युवाओं का ये ग्रुप नीले रंग की स्कूटी में सवार था। जिसमें एक युवक बिना हेलमेट पहने स्कूटी चला रहा था। इसके पीछे की सीट पर 2 युवतियां बैठी हुई थी। ये युवा जयस्तंभ चौक से लेकर NIT होते हुए आमानाका की ओर जाते दिखे। इसके बावजूद इन युवाओं को ऐसा करने से कोई भी रोकने टोकने वाला नहीं दिखा।

तो वहीं वीडियो में एक युवती स्कूटी के सामने के लेग स्पेस में बैठी भी दिखी। जिससे स्कूटी सवार ठीक से गाड़ी का हैंडल भी नहीं मोड़ पा रहा था। आसपास से जो भी लोग गुजर रहे थे, वे इन मस्ती के मूड में सवार युवाओं को देखकर किनारे हट जा रहे थे।

ऐसे ही लहराते युवकों का पुलिस ने काटा था चालान

बीते 5 अगस्त को रायपुर ट्रैफिक पुलिस ने गाड़ी में सवार 4 युवाओं का वीडियो वायरल होने के बाद कार्यवाई की थीं। भिलाई की रजिस्ट्रेशन वाली गाड़ी में ये युवक भी सड़क पर बेधड़क होकर लहराते हुए गाड़ी चला रहे थे। जिसके बाद पुलिस के पास वीडियो पहुंचते ही इनका 2000 रुपये का चालान कटा था।

सूने मकान से लाखों की चोरी

सोना व चांदी के जेवर ले भागे चोर, जांच में जुटी पुलिस

भिलाई। दुर्ग जिले के पाटन थाना क्षेत्र के सिकोला गांव में लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। यहां एक मकान में चोरों ने धावा बोला और लाखों के जेवर पर हाथ साफ कर दिए। रात के समय घर पर कोई नहीं था इस दौरान चोरी की वारदात हुई। सुबह जब घर की मालकिन लौटी तो उसे चोरी का पता चला। इस मामले में शिकायत के बाद पाटन पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार सिकोला निवासी अनुसुईया महिलांग गृहणी है। उसके पति ड्राइवरी का काम करते हैं। गुरुवार रात को महिला का पति गाडी लेकर बाहर गया था। रात को खाना खाने के बाद महिला अपने बच्चे को लेकर अपने सास के यहां सोने के लिए चली गयी। दूसरे दिन सुबह वापस लौटकर देखी घर के दरवाजे की कुण्डी टूटी हुई थी। अंदर जाकर देखने पर आलमारी खुला मिला। महिला ने जांच की तो अलमारी से दो तोला का सोने का हार, डेढ़ तोला सोने का झुमका, 1 सोने का मराठी माला, 3 सोने का मंगलसूत्र, चांदी के तीन पायल, 1 चांदी की चैन, 3 जोडी चांदी का बिछिया, इंडेक्शन चूल्हा, बजाज कंपनी की मिक्सी आदि चोरी हो गए। इस मामले में पाटन पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सागौन की तस्करी पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, पिकअप में भरकर ले जाने की थी तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरिया। वन विभाग कोरिया द्वारा बीती रात सागौन की तस्करी का भांडाफोड़ किया है। मुखबिर की सूचना पर वन विभाग की टीम ने घेराबंदी कर पिकअप वाहन के साथ सागौन की लकड़ी जब्त किया है। जब्त सागौन की कीमत लगभग 70 हजार रुपए बताई जा रही है। आगे की कार्रवाई वन विभाग द्वारा की जा रही है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री मोहम्मद अकबर के निर्देश पर वन विभाग द्वारा लकड़ियों के अवैध परिवहन और कटाई पर निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कोरिया वन मंडल की टीम द्वारा अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे लगभग 70 हजार रुपए का सागौन पिकअप वाहन के साथ जब्त किया है। पीसीसीएफ श्रीनिवास राव तथा वनमण्डलाधिकारी कोरिया प्रभाकर खलखो के निर्देश पर वन विभाग के संयुक्त दल ने रात्रि गश्त के दौरान वनमंडल कोरिया के परिक्षत्र बैकुठपुर परिसर सलवा में पिकअप को पकड़ा। पिकअप से अवैध रूप से सागौन की लकडी ले जाई जा रही थी। वन विभाग की टीम ने पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 15 जेडबी 0129 में लोड अवैध 11 नग सागौन लकड़ी जब्त किया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पत्नी की पीट-पीटकर हत्या: आरोपी ने थाने पहुंचकर कहा-

शराब के चलते बीवी की गई जान पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुली पति की पोल

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (ए)। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के लुकापारा में पति ने लाठी-डंडे से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या कर दी। आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर शक करता था। पुलिस ने शुक्रवार को आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम लुकापारा में हरि राम खटकर (52 वर्ष) अपनी पत्नी सगुन बाई खटकर के साथ रहता था। चरित्र शंका को लेकर वो अपनी पत्नी के साथ अक्सर मारपीट करता था। शुक्रवार की सुबह भी दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ। गुस्से में आकर हरि राम ने अपनी पत्नी की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी।

इसके बाद आरोपी खुद बिलाईगढ़ थाने पहुंचा और वहां पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। आरोपी ने कहा कि उसकी पत्नी रात में शराब पीकर सोई थी, सुबह जब उसने देखा तो उसकी मौत हो चुकी थी। जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। पुलिस को महिला की लाश देखकर आरोपी पर शक हो गया था।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग, दुर्ग

// मैनुअल पद्धति निविदा सूचना //

(पाटन-विकासखण्ड)

ज्ञाप क्रमांक - 9578 /व.ले.लि./लेखा खण्ड/2023-24 दुर्ग, दिनांक 16/08/2023

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'ई' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. रायपुर द्वारा जारी भवन/सड़क SOR दिनांक 01.01.2015 तथा निविदा तिथि तक जारी संशोधन के अंतर्गत मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 28/08/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि :- 29/08/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि :- 04/09/2023 अपरान्ह 5.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि :- 05/09/2023 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक

एनआईटी क्र. निविदा क्र.	कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	2	3
20 T0127	ग्राम कोपेडीह में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रं. 02 एवं ग्राम बेलौदी मुख्य मार्ग से शासकीय प्राथमिक शाला भवन तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.12
20 T0128	ग्राम जमराव में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रं. 05 तक एवं ग्राम झीट में आंगनबाड़ी केंद्र क्रं. 06 तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.88
20 T0129	ग्राम गब्दी में मुख्य मार्ग से शासकीय प्राथमिक शाला भवन तक एवं ग्राम फुण्डा में मुख्य मार्ग से धान खरीदी केन्द्र तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.88
20 T0130	ग्राम जमराव में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-04 तक एवं ग्राम खर्रा में मुख्य मार्ग से ग्राम पंचायत भवन तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.12
20 T0131	ग्राम महुदा में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-04 तक एवं ग्राम निपानी में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-01 तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.88
20 T0132	ग्राम सांकरा में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-05 तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	18.36
20 T0133	ग्राम सांकरा में मुख्य मार्ग से उपस्वास्थ्य केन्द्र तक एवं ग्राम जमराव में मुख्य मार्ग से खाद गोदाम तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	18.83
20 T0134	ग्राम घुघुवा (ज) में मुख्य मार्ग से ग्राम पंचायत भवन तक एवं ग्राम गातापार में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.12
20 T0135	ग्राम बासीन (खोला) में मुख्य मार्ग से शासकीय प्राथमिक शाला भवन तक एवं ग्राम बोरिद में मुख्य मार्ग से शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला भवन तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.88
20 T0136	ग्राम बटरेल में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 एवं आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-05 तक एवं ग्राम रीवागहन (ब) में मुख्य मार्ग से आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-01 एवं आंगनबाड़ी केन्द्र क्रमांक-02 तक एवं ग्राम जामगांव (आर) में मुख्य मार्ग से पशु औषधालय भवन तक सड़क सीमेंटीकरण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.13

☐ General Condition ☐ Plant Condition ☐ Special Condition

नोट :- 1. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-04411/6

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग

एक साथ मिली दो युवकों की लाश: घर से टॉर्च और डंडा लेकर मछली मारने निकले थे, दूसरे दिन खून से लथपथ मिला शव

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में दो युवकों की लाश संदिग्ध हालत में मिली है। दोनों युवक घर से गुरुवार की शाम को टार्च और डंडा लेकर मछली मारने के लिए निकले थे। इसके बाद दोनों घर नहीं पहुंचे। दूसरे दिन उनकी लाश खून से लथपथ मिली। पुलिस इस केस की जांच कर रही है। मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही इसका खुलासा हो सकेगा।

बसंतपुर गांव से लोग शुक्रवार की सुबह टहलने के लिए निकले थे। मोगरा माला खार में दोनों का शव एक ही जगह पर पड़ा मिला। दोनों की पहचान गांव के ही राजेश यादव (40) लखन कैवर्त्य (45) के रूप में की। फिर इस घटना की जानकारी उनके परिजनों के साथ ही पुलिस को दी गई। जांच के दौरान पता चला कि एक मृतक के चेहरे से खून निकला हुआ था और दूसरे का शव जला हुआ और कान से खून निकला था।

पूछताछ में परिजनों ने बताया कि गुरुवार करीब सात बजे राजेश और लखन टॉर्च और डंडा लेकर घर से निकले थे। परिजन रात में उनके आने का इंतजार कर रहे थे। लेकिन, दोनों नहीं पहुंचे। इससे परेशान परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। देर रात तक उनकी तलाश की गई। लेकिन, उनका कुछ पता नहीं चला। दूसरे दिन उन्हें इस घटना की जानकारी मिली।

खेत में करंट लगने से मौत की आशंका

बताया जा रहा है कि दोनों युवकों के पैर में जलने के निशान मिले हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि बिजली करंट लगने से उनकी मौत हुई होगी। जिस जगह पर लाश पड़ी थी, वहां से कुछ दूर खेत में गांव के ही चिंताराम उसके पिता जेठूराम कैवर्त्य ने बाड़ी में करंट लगा दिया था। ताकि, वहां जानवर न आ सके। इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस उन्हें पकड़कर पूछताछ कर रही है।

पुलिस बोली- पोस्टमॉर्टम से खुलेगा मौत का राज

पचपेड़ी टीआई विवेक तिवारी का कहना है कि दोनों मृतकों के शव को देखकर आकाशीय बिजली के चपेट में आने से मौत होने की संभावना है। हालांकि, अभी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। बिजली करंट से भी मौत होने की आशंका है। फिलहाल, पुलिस पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Colors etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. - 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

आदिवासी संस्कृति का संवर्धन

- पर्व-त्यौहारों के आयोजन के लिए पंचायतों को अब मिल रहा है प्रति वर्ष **10000 रु.** का अनुदान
- **1840** ग्राम पंचायतों को **5-5 हजार रु.** की पहली किस्त जारी

मुख्यमंत्री आदिवासी परब सम्मान निधि योजना

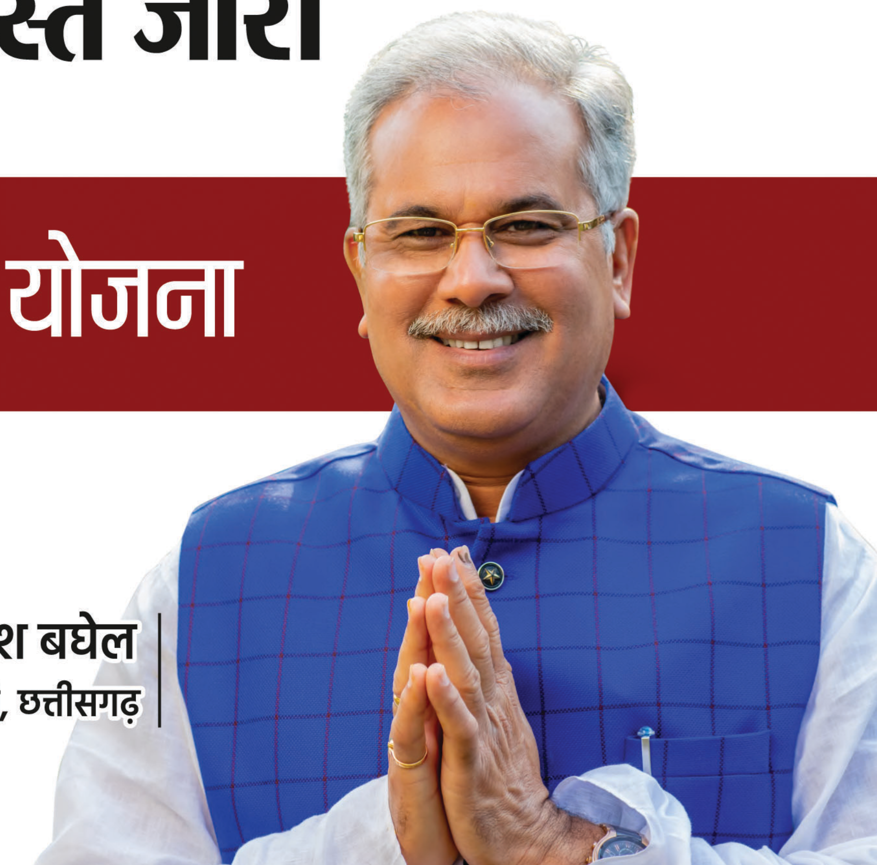

गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार
भरोसे की सरकार

भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

RO- 38116/1

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950